श्रावण शुक्ल पक्ष -11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 48 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 अगस्त 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आज का मौसम
28.6 अधिकतम
23.1 न्यूनतम

थमने की बजाय और बढ़ता दिख रहा है वंदेमातरम् का विवाद ...!

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

वंदेमातरम को लेकर पिछले हफ़्ते कांग्रेस कार्यसमिति में गीत के सिर्फ़ पहले दो छन्द गाने के फैसले से उपजा विवाद खत्म होने की बजाय और बढ़ रहा है। बीजेपी ने कल नितिन नवीन की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों की पहली बैठक में कांग्रेस के फैसले के खिलाफ बीजेपी ने राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने का फैसला कर डाला है। मेरे विचार से वंदेमातरम् के पहले दो छन्द प्रकृति से जुड़े हैं और दूसरे दो छन्द जन से और आखरी दो छन्द भारतीय संस्कृति से जुड़े हैं। यानी बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के वंदेमातरम् का मक़सद जन को प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का था। उन्होंने शक्ति की प्रतीक दुर्गा, धन की प्रतीक लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती को आधार बनाकर भारत माता के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए ही यह गीत लिखा। इसमें यदि धार्मिकता का पुट होता तो क्या इसे मंदिरों में नहीं गया जाता? सब जानते हैं कि भारतवर्ष के किसी भी सनातनी मंदिर में इसे नहीं गाया जाता। तो फिर इस पर किसी के भी एतराज़ का क्या सबब है?

वैसे भी इसे भारत की आजादी के संग्राम के दौरान सभी ने गाया। कांग्रेस से अलग होकर मुस्लिम लीग बनने के पहले उनको भी इस गीत से कोई परहेज नहीं था। 28 से 30 अक्टूबर 1937 के कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस ने जिन्ना की माँग पर इसके दो छन्दों के बाद के हिस्से को क्यों हटा दिया? जबकि सब जानते थे कि कांग्रेस से मतभेद के बाद मुस्लिम लीग बनाने के पीछे उनका लक्ष्य धार्मिक आधार पर अलग राष्ट्र (पाकिस्तान) बनाना था। चलो मान लें कि देश के विभाजन को रोकने के लिए कांग्रेस नेताओं ने वन्देमातरम के छन्दों को हटा दिया। लेकिन बँटवारे के बाद उन्हें क्यों नहीं जोड़ा गया? सवाल यह भी है कि संविधान सभा के अध्यक्ष के बतौर देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि गीत को संविधान में सम्मान मिलना चाहिए, तो फिर उसे अपमानित करने का काम किसने किया?

एनडीए सरकार ने इसके डेढ़ सौ साल पूरे होने पर इसे कानूनी रूप देकर किसी भी सरकारी कार्यक्रम में इसे पहले गाने और अंत में राष्ट्रगान यानी जन गण मन का प्रावधान किया तो यह संविधान के अनुरूप ही है। सरकारी कार्यक्रम में इसका पालन नहीं होने को दंडनीय बनाया गया है। भारत में पारित किसी भी कानून को देश की सर्वोच्च अदालत भी संविधान के विपरीत नहीं मानती। कांग्रेस ने भी बीते15 अगस्त को इंदिरा भवन के कार्यक्रम में इसे पूरा गाया। फिर सवाल यह है कि अचानक चार दिन बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने चार छन्द हटाने का फैसला क्या सोचकर और किसको खुश करने के लिए किया?

संविधान की रक्षा की दुहाई देने वाले लोग संविधान की कितनी परवाह करते हैं, यह सवाल अपनी जगह है। लेकिन बीजेपी के विद्वान सांसद सुधांशु त्रिवेदी का दावा है कि कोई भी ऐतिहासिक फैक्ट-चेक कर ले,1896 के कोलकाता कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार वंदे मातरम् गाया गया था, जिसकी अध्यक्षता मुस्लिम नेता रहमतुल्लाह अहमद सयानी ने की थी।

त्रिवेदी का दावा है कि 1923 के कांग्रेस अधिवेशन में तो उस समय मोहम्मद अली जौहर ने अध्यक्षता करते हुए इस पर आपत्ति की। फिर भी इसे पूरा गाया गया। 1896 से 1937 तक हर बार कांग्रेस पूरा गा रही थी, तो 1937 में क्या हुआ? इसके पहले 1905 में बंग-भंग के बाद उस समय सारे हिंदू-मुसलमान एक होकर वंदे मातरम् गाते थे। बाद के दौर में कट्टरपंथियों के आगे झुकते हुए1937 में जिन्ना की मांग कबूल कर ली। कांग्रेस के ऊर्जावान प्रवक्ता अभय दुबे ने एक नया दावा कर डाला। उनका कहना है कि 1870 के दशक में बंकिम चट्टोपाध्याय ने पहले इसके दो छंद ही लिखे थे, लेकिन 1870 में आनंद मठ उपन्यास में बाकी के चार छंद ही जोड़े गए। अभय दुबे की यह दलील भी है कि राष्ट्र कवि रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी अध्यक्षता में कांग्रेस द्वारा बनाई समिति में विचार के बाद कहा कि इसके दो छंद ही ठीक हैं। बाद के छंद दूसरे समुदाहों की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकते हैं। इसके बाद ही कांग्रेस ने पहले दो अंतरे के गायन का फैसला किया। इससे यह सवाल भी उठता है कि उन्होंने किस अधिकार से दूसरे कवि के गीत में काटछंट की? मध्यप्रदेश के पूर्व आईएएस अधिकारी और भारतीय संस्कृति-इतिहास के जानकार मनोज श्रीवास्तव का दावा है कि टैगोर जी ने बांग्ला में एक अन्य गीत लिखा जिसमें मातरो (मां) शब्द आता है। फिर बांग्लादेश बनने के बाद वहाँ की सरकार ने इसे अपने राष्ट्रगान के रूप में अपनाया। उनका तर्क है कि एक मुस्लिम बहुल देश में माँ के वंदन पर किसी को आपत्ति नहीं तो भारत में किसी को वंदेमातरम् पर एतराज क्यों होना चाहिए?

सच तो यह है कि संविधान के प्रति कौन दिखावा करता है और किसके मन में इसको लेकर कितना सम्मान है, यह सब जानते हैं। लेकिन यह कम लोगों को पता होगा कि किसी भी लेखक, साहित्यकार, कवि या पेटेंट प्राप्त शख्स के कॉपी राइट उसके जीवित न रहने के बाद भी कायम रहते हैं। तो फिर... क्या कोई बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के गीत के साथ काट-छांट पर कॉपी राइट एक्ट के उल्लंघन को लेकर कानूनी वाद दायर करेगा?

न्यूज विंडो

रांची: कोकर टाटा ऑटो वर्कशॉप में लगी आग, नौ वाहन जलकर राख

रांची। कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित वासुदेव टाटा ऑटो मोटर्स वर्कशॉप में सुबह करीब 5:30 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि वर्कशॉप में खड़े नौ वाहन जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि, अग्निशमन विभाग और पुलिस की जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटना में हुए आर्थिक नुकसान का आकलन अभी नहीं किया गया है।

सागर: अचानक उफनी नदी, 9 लोग टापू पर फंसे, बमुश्किल बचाया

सागर। प्रदेश के सागर जिले में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल आपचंद गुफा के पास एक बड़ा हादसा होने से टल गया। पिकनिक मनाने पहुंचे सागर शहर के नौ युवक-युवतियां नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने के कारण बीच टापू पर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस और SDRF की टीम ने मोर्चा संभाला और देर रात तक चले कठिन ऑपरेशन के बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जापान में 5.9 तीव्रता का भूंकप, 20 लोग घायल

टोक्यो। जापान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया है। इस भूकंप के झटके राजधानी टोक्यो में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र जापान के दक्षिण में इराबाकी में जमीन से 70 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के चलते इराबाकी में 20 लोग घायल हो गए हैं। भूकंप के झटके इबाराकी, चाइबा और साईतामा में महसूस किए गए हैं। भूकंप के चलते एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें प्रभावित हो गईं। वह देरी से चल रही हैं।

कंज्यूमर सेफ्टी... भ्रामक विज्ञापनों पर FSSAI ने थमाए 150 से ज्यादा नोटिस

नेस्ले, पेप्सीको और कोका-कोला पर शिकंजा केएफसी, पिज्जा हट, डोमिनोज को भी नोटिस

- अमेजॉन, फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां भी जांच के दायरे में

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के फूड सेफ्टी रेगुलेटर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (fssai) ने भ्रामक विज्ञापनों, गलत दावों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन पर कई बड़े ब्रांड्स पर शिकंजा कसा है। इसी के साथ ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म और रेस्टोरेंट कारोबार भी इसकी जांच के दायरे में आए हैं। प्राधिकरण ने नियमों के उल्लंघन पर केएफसी, मैकडोनॉल्ड्स, पिज़्ज़ा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफ़ी सहित अमेजॉन, फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए हैं। FSSAI के मुताबिक, नियमों के उल्लंघन पर कई कंपनियों के उत्पाद जब्त भी किए गए हैं। कुछ मामलों में लाइसेंस भी सस्पेंड किये गए हैं। इससे साफ है कि फूड सेफ्टी और विज्ञापन नियमों को लेकर रेगुलेटर अब ज्यादा सख्त रुख अपना रहा है।

FSSAI ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में फूड बिजनेस ऑपरेटर्स के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून और उससे जुड़े नियमों के उल्लंघन पर लगातार कार्रवाई की गई है। 150 से ज्यादा नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, गलत दावों और लेबलिंग नियमों को लेकर जारी किए गए हैं। जिन्हें नोटिस दिए गए हैं उनमें पेप्सिको, एबॉट इंडिया, रेड बुल इंडिया, डैनोन इंडिया, मॉन्स्टर एनर्जी इंडिया, हेल एनर्जी, मॉन्डेलेज इंडिया, कोका-कोला इंडिया, डियाजियो, पर्नो

रिका, फेरेरो इंडिया और केनव्यू इंक भी शामिल हैं। डोमिनोज के पांच लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। रेगुलेटर ने कहा है कि नोटिस मिलने के बाद कई कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाना शुरू कर दिया है।

ऐसा विज्ञापन जिसमें किसी उत्पाद की गुणवत्ता, सामग्री या स्वास्थ्य लाभ के बारे में गलत या अधूरी जानकारी दी जाए, उसे भ्रामक विज्ञापन कहा जाता है। अगर कोई दावा ग्राहक को गुमराह करता है, दूसरे उत्पाद को गलत तरीके से खराब बताता है या जरूरी जानकारी छिपाता है, तो वह भी भ्रामक हो सकता है। ऐसे दावों के पीछे वैज्ञानिक प्रमाण होना जरूरी है।

आंख बंद करके भरोसा न करें

ग्राहकों को सलाह दी गई है कि पैकेट पर 'हेल्दी', 'नेचुरल' या '100% शुद्ध' जैसे शब्द देखकर तुरंत भरोसा न करें। पीछे लिखी सामग्री और पोषण की जानकारी भी देखें। अगर कोई कंपनी बीमारी ठीक करने या बहुत बड़े स्वास्थ्य लाभ का दावा करती है, तो उसकी जानकारी जरूर जांच लें। उत्पाद खराब या गलत लगे तो उसका बिल, पैकेट की फोटो और दूसरी जानकारी संभालकर रखें। खाद्य सुरक्षा से जुड़ी शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग के शिकायत माध्यम पर की जा सकती है। वहीं, ग्राहक अपनी उपभोक्ता शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं।

10 लाख रुपए तक जुर्माना संभव

एफएसएसएआई के नियमों के मुताबिक खाद्य उत्पादों पर किए जाने वाले पोषण या स्वास्थ्य संबंधी दावे वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित होने चाहिए। नियम यह भी कहते हैं कि विज्ञापन किसी खाद्य पदार्थ के अत्यधिक सेवन को प्रोत्साहित नहीं कर सकते और न ही यह संदेश दे सकते हैं कि संतुलित आहार से शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल सकते। भ्रामक दावे वापस लेने या वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। नियमों का पालन नहीं करने पर एफएसएस अधिनियम की धारा 53 के तहत 10 लाख रुपए तक जुर्माना हो सकता है। बार-बार उल्लंघन पर लाइसेंस निलंबित या रद्द भी किया जा सकता है।

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट

भारत के दोनों ओपनर बल्लेबाज पवेलियन लौटे, स्कोर 97/2

कोलंबो। कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के विकेट गंवा दिए हैं। यशस्वी 45 रन बनाकर असिथा फर्नांडो की गेंद पर बोल्ड हुए। विकेट के बाद यशस्वी और फर्नांडो के बीच बहस भी हुई। खबर लिखे जाने तक भारत ने 97/2 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 12 रन बनाकर लाहिरू कुमारा की गेंद पर आउट हुए। स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन ने इस मुकाबले से टेस्ट डेब्यू किया। उन्हें रवींद्र जडेजा ने टेस्ट कैप सौंपी। सारांश 33 साल 145 दिन की उम्र में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले इस सदी के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इससे पहले समीर दिघे ने मार्च 2001 में 32 साल 161 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी, 2 की मौत, 5 घायल

मुंबई। मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं।पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया।

इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और BMC की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव शुरू किया।

2027 हो सकता है अब तक का सबसे गर्म साल

लंदन। प्रशांत महासागर में एक बड़ा अल नीनो तैयार हो रहा है, जो अब तक का सबसे तेज हो सकता है। ब्रिटेन के मौसम विज्ञान विभाग ने इस बारे में चेतावनी देते हुए बताया कि इसके चलते 2027 अब तक का सबसे गर्म साल बन सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह घटना पहले से ही दुनिया भर में मौसम के पैटर्न पर असर डाल रही है। भारत में इस साल दक्षिण-पश्चिमी मानसून में औसत से कम बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही अटलांटिक में तूफानों की गतिविधि भी कम रही है।

अल नीनो मौसम की उस घटना की वजह से होता है, जिसमें प्रशांत महासागर के ऊपर चलने वाली व्यापारिक हवाएं कमजोर हो जाती हैं या उनकी दिशा बदल जाती है। समुद्र से हवा में

दुनियाभर के मौसम पर असर, सदी का सबसे तेज अल नीनो हो रहा तैयार

निकलने वाली गर्मी से तापमान बढ़ने लगता है, जिसे दुनियाभर के मौसम, बारिश और हवा के पैटर्न बदल सकते हैं। प्रशांत महासागर के एक अहम इलाके में समुद्र का तापमान अभी औसत से 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल के आखिर में जब यह घटना चरम पर होगी, तो तापमान 3 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा सकता है। 1950 के बाद से रिकॉर्ड में कभी ऐसा नहीं देखा गया है। प्रशांत महासागर की गहराई में मौजूद गर्म पानी इसे और तेज कर सकता है। कुछ इलाकों में लगभग 100 मीटर की गहराई पर तापमान सामान्य के लगभग 8 डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। इसके गर्मी का एक बड़ा भंडार बन गया है और आने वाले महीनों में अल नीनो को और बढ़ा सकता है।

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के चलते धरती पहले से भी काफी गर्म है। ऐसे में अल नीनो तापमान को और बढ़ा सकता है। ब्रिटेन के मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक निक डनस्टोन का कहना है कि 2027 के सबसे गर्म साल के तौर पर होने की संभावना बहुत ज्यादा है। यह 2024 का रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

संडे लाइफ में आज

- पं. विष्णु राजौरिया का कॉलम... तारे-सितारे अब
- रोबोट चलेंगे नहीं समझकर करेंगे काम... पेज-4

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | अनोखे मामले ने सभी को किया हैरान, लिफाफे की सील खोले बिना प्रश्नपत्र बाहर

एंडोस्कोपिक कैमरा और दर्जी की सुई... प्रोफेसर ने कर दिया पेपर लीक

रायपुर, एजेंसी

पेपर लीक के छत्तीसगढ़ से आए एक मामले को देखकर पुलिस अधिकारियों के भी होश उड़ गए हैं। एक प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर ने पेपर लीक करने के लिए मेडिकल में इस्तेमाल होने वाले छोटे से 'एंडोस्कोपिक कैमरे' और सुई की मदद ली। सीलबंद लिफाफे को बिना फाड़े और बिना उसकी सील को नुकसान पहुंचाए अंदर का पूरा प्रश्नपत्र बाहर आ गया और परीक्षा से ठीक दो घंटे पहले स्टूडेंट्स के पास पहुंच गया। मामला रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का है, जहां 20 अगस्त को होने वाली बीएससी एग्रीकल्चर सेकंड ईयर की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। यूनिवर्सिटी और पुलिस की साइबर विंग ने केवल 36 घंटे में पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने दुर्ग के एक कॉलेज के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया समेत 5 स्टूडेंट्स को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

वाट्सएप पर वायरल हुआ पर्चा

20 अगस्त की सुबह 10 बजे से 28 कॉलेजों के करीब 1,200 स्टूडेंट्स की परीक्षा होनी थी। लेकिन सुबह 8:41 बजे ही कवर्धा एग्रीकल्चर कॉलेज को एक गुमनाम ईमेल मिला, जिसमें पेपर लीक की बात कही गई। देखते ही देखते WhatsApp ग्रुप्स पर प्रश्नपत्र के स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल होने लगे। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने वायरल पर्चे का मिलान ओरिजिनल पेपर से किया तो सवाल हूबहू वही निकले। आनन-फानन में परीक्षा रद्द कर दी गई और एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस और साइबर सेल के 100 से ज्यादा जवानों की टीम बनाई गई। साइबर विंग ने WhatsApp मेसेज, सोशल मीडिया अकाउंट्स और लोकेशन डेटा को ट्रैक करना शुरू किया। सबसे पहले दुर्ग के छात्र अनुज मिंज का सुराग मिला। सख्ती से पूछताछ में राज खुलते चले गए और पुलिस सीधे मास्टरमाइंड प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया तक पहुंच गई। पुलिस ने 11,000 रुपये कैश, 6 मोबाइल, एंडोस्कोपिक डिवाइस, कनेक्टिंग केबल और सुई-धागा बरामद किया है।

पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी 38 वर्षीय योगेश सोनकेसरिया दुर्ग के 'भारती एग्रीकल्चर कॉलेज' में पढ़ाते हैं। 17 अगस्त को योगेश रायपुर के जोरा स्थित एग्रीकल्चर कॉलेज में आंसर शीट जमा करने गए थे। वहां से उन्होंने 20 अगस्त को होने वाली परीक्षा के सीलबंद लिफाफे ले लिए। बाकी पेपर तो उन्होंने अपने कॉलेज के लॉकर में रख दिए लेकिन एंटोमोलॉजी (कीट विज्ञान) विषय का लिफाफा अपने घर ले गए।

घर पहुंचकर प्रोफेसर ने तिकड़म लगाई। उन्होंने 2,500 रुपये में बारीक एंडोस्कोपिक कैमरा खरीदा। डॉक्टर शरीर के अंदरूनी हिस्से देखने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। प्रोफेसर ने सुई और एक नुकीले औजार की मदद से लिफाफे के कोने में बेहद बारीक छेद किया। फिर उस छोटे से छेद से कैमरे की पतली केबल अंदर घुसा दी और फोन में पूरे प्रश्नपत्र की तस्वीरें रिकॉर्ड कर लीं। इसके बाद हाथ से सवाल नोट किए और लिफाफे को वापस फेविकॉल से चिपका दिया, उन्होंने यह पेपर अपने ही कॉलेज के स्टूडेंट अजय नायक को 11,000 रुपये में बेच दिया।

बाजार रोशन, बहनें खरीद रहीं राखियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन 28 अगस्त को है। इसमें अब सिर्फ पांच दिन बचे हैं। इसे लेकर राजधानी के बाजारों की रौनक चरम पर पहुंचने लगी है। भाई-बहन के प्यार के इस त्योहार को लेकर बाजारों में उत्साह छाया है। रक्षाबंधन के चलते साप्ताहिक अवकाश में रविवार को भी बाजारों में अधिकांश दुकानें खुली रहेंगी। ऐसे में न्यू मार्केट से लेकर दस नंबर, पुराने शहर, कोलार और गुलमोहर तक बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की आवाजाही बनी रही। दोपहर बाद भीड़ और बढ़ गई और देर रात तक दुकानों और राखी स्टॉल पर खरीदारी का सिलसिला चलता रहा। बहनों ने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां खरीदीं। लोगों के रुझान को देखते हुए कारोबारियों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन तक खरीदारी और बढ़ेगी। इस बार राखियां भी नए और मॉडर्न पैटर्न में हैं।

300 से अधिक वैरायटी

बाजारों में इस बार राखियों की बड़ी रेंज देखने को मिल रही है। अमेरिकन डायमंड, कुंदन, मेटल, स्टोन, रेशम, सूती और जूट की राखियों के साथ बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और म्यूजिकल राखियां भी हैं। दस नंबर के राखी विक्रेता देवेंद्र सेन के मुताबिक उनके पास 300 से अधिक डिजाइन हैं। अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली के अलावा राजस्थानी पैटर्न की राखियां भी ग्राहकों को लुभा रही हैं। इसमें भी सबसे ज्यादा मांग एडी और स्टोन वाली राखियों की है। ये ज्यादा आकर्षक लगती हैं और बहनों की पहली पसंद है। गुलमोहर में राखी स्टॉल लगाने वाले मनीष बताते हैं कि बच्चों की राखियों में कार्टून और म्यूजिकल डिजाइन आकर्षण का केंद्र हैं।

रसोई गैस के लिए केवायसी की आखिरी तारीख आज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए केवायसी कराने के लिए आज आखिरी तारीख है। जिले के कुल 4.5 लाख रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए यह अंतिम मौका होगा। दरअसल, 1.5 लाख उपभोक्ताओं को केवायसी करानी थी। इनमें से अब तक 85 फीसदी उपभोक्ताओं ने अपनी केवायसी करा ली है। बाकी 15% ने अभी तक अपनी संबंधित गैस एजेंसियों (इंडियन, एचपी, भारत) पर जाकर या कंपनियों के ऐप से केवायसी की प्रक्रिया पूरी नहीं की है। पेट्रोलियम कंपनियों का कहना है कि ऐसा न करने पर एलपीजी के कनेक्शन बंद हो सकते हैं। बताते हैं, गैस एजेंसी संचालक और जिला खाद्य प्रशासन के अफसरों के अनुसार तारीख बढ़ाई जा सकती है। लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

स्कूल से लौटे छात्र की मौत, घर में मिला शव

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र में 11वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र रितेश पाल की घर में मौत हो गई। वह गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे स्कूल से घर लौटा और कमरे में चला गया। उसकी मां घर के बाहर बैठी थी। आधे घंटे बाद परिजन कमरे में पहुंचे तो रितेश गंभीर हालत में मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने बताया, दो दिन पहले ही नए स्कूल में दाखिला लिया था। परिवार ने किसी अनहोनी की आशंका जताई है।

जेपी अस्पताल में अव्यवस्थाएं, टोकन सिस्टम- हेल्प डेस्क बंद, पर्चा बनाने में लग रहे घंटों

मर्ज दूर करने वाला अस्पताल बीमार लिफ्ट बंद, जहां-तहां संक्रमित कचरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के मॉडल अस्पताल जेपी की स्वास्थ्य सुविधाएं मरीजों के लिए सिरदर्द बन रही हैं। इस अस्पताल की हालत ऐसी हो गई है मानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हो। यहां टोकन सिस्टम और हेल्प डेस्क की सुविधा बंद होने से मरीजों को ओपीडी में पर्चा बनाने में एक से डेढ़ घंटे तक कतार में लगना पड़ रहा है। वहीं, आठ महीने से अस्पताल की बंद लिफ्ट भी जिम्मेदार शुरू नहीं करवा सके हैं। ऐसे में मरीजों को सीढ़ियां चढ़कर जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा परेशानी बच्चे और बुजुर्गों को हो रही है। वे सीढ़ियां चढ़ने में हांफ रहे हैं।अव्यवस्था की यहीं तक नहीं है। पार्किंग की हालत और खस्ताहाल है। यहां जगह-जगह बारिश का पानी जमा है। जो स्वास्थ्य विभाग लोगों से अपने घर की छतों-गमले तक में पानी जमा न होने देने की अपील कर रहा है। डेंगू के मच्छरों के पनपने के हर रास्ते बंद करने की अपील कर रहा है। वही विभाग अपने ही अस्पताल की पार्किंग में जमा पानी को नहीं निकाल पा रहा है। अस्पताल में लगी ड्रेनेज पाइप जगह-जगह फट रही हैं। इससे लोगों को संक्रमण की आशंका बढ़ रही है।

कर्मचारी बोले-अस्पताल में नहीं होता मेंटेनेंस

अस्पताल कर्मचारियों की मानें तो अस्पताल में रखी गई लिफ्ट काफी समय से खराब पड़ी है। इसका लगातार मेंटेनेंस नहीं हो रहा। इसलिए एक बार खराब होने के बाद दोबारा शुरू करने में काफी वक्त लग जाता है। इतना ही नहीं, वार्ड में 50 बेड में से कई खाटें टूट गई है। फर्श पर पानी भरा रहता है। इससे मरीजों के फिसलने का डर बना रहता है। दूसरी ओर चिकित्सा की सुविधा के लिए लगाई गई रिपोर्ट की सेंसर अब तक नहीं जुड़ी है, अस्पताल में मरीजों को डॉक्टर की सुविधा के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

जल्द सुधार किया जाएगा

अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय जैन का कहना है कि अस्पताल के लिफ्ट बंद होने से मरीजों को परेशानी हो रही है। जल्द ही मेंटेनेंस कराकर शुरू करेंगे।

मच्छर भी कम नहीं

दवा वितरण केंद्र के पास ही मरीज और उनके परिजनों का इंतजार लंबा हो रहा है। यहां मच्छरों ने डेरा डाल रखाहै। समय-समय पर दवाइयों के छिड़काव न होने से मरीजों को स्वस्थ करने वाला अस्पताल ही बीमार नजर आ रहा है।

फर्श पर ड्रेसिंग.. संक्रमण का खतरा

अस्पताल के दूसरे फ्लोर और सीढ़ियों में मरीजों द्वारा ड्रेसिंग, पट्टी फेंक दी जाती है, जिससे परिजन या बाहरी व्यक्तियों के संपर्क में आने पर संक्रमित हो सकते हैं। खुले या फर्श में मरीज का खून स्वस्थ व्यक्ति को बीमार कर सकता है। इससे परिजनों को बचना चाहिए, वहीं ऐसे मामले में अस्पताल स्टाफ को स्वच्छता में ध्यान देना चाहिए।

टैक्सी पार्किंग में पेड़ काटा, हटाया नहीं

अस्पताल के बाहर टैक्सी पार्किंग में लगा पेड़ नगर निगम कर्मचारियों द्वारा काट दिया गया था। लेकिन आज तक नहीं उठाया गया। टैक्सी चालक अपने वाहन सड़क किनारे लगा रहे हैं। बैरिकेड के सामने दोपहिया वाहन और टैक्सी लगाने से सड़क में जाम की स्थिति बन रही है। ऐसे में कई बार मरीजों को एंबुलेंस से लाने पर बैरिकेड के सामने भीड़ होने के कारण इंतजार करना पड़ रहा है।

राजधानी में अब ई-बसों की संख्या होगी 30

कल से शहर में 10 नई ई-बसें, हर 15 मिनट में मिलेंगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में कल से और 10 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू होने जा रही है। इसी के साथ अब शहर में ई-बसों की संख्या बढ़कर 30 हो जाएगी। कोलार रोड, बैरागढ़, बावड़ियाकलां, एमपी नगर और आईएसबीटी जैसे प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे तीन प्रमुख रूट पर बसों की फ्रीक्वेंसी बढ़ेगी और यात्रियों को हर 10 से 15 मिनट में बस मिलने की सुविधा मिलेगी। नए विस्तार का सबसे ज्यादा फायदा कोलार रोड, बैरागढ़ और एमपी नगर के यात्रियों को होगा।

राजधानी में अभी तीन प्रमुख रूट पर 20 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, जो शहर के बड़े हिस्से को जोड़ती हैं। नए बेड़े के शामिल होने के बाद बसों का संचालन और नियमित होगा। किराया भी पहले की तरह किफायती रहेगा, जहां न्यूनतम किराया 6 से 7 रुपए और अधिकतम 40 रुपए तय है। इसका फायदा हजारों यात्रियों को होगा। वहीं, नई 10 बसों के शामिल होने के बाद कोलार रोड, बावड़ियाकलां, सलैया, बैरागढ़, अशोका गार्डन, सुभाष नगर, लालघाटी, एमपी नगर और आईएसबीटी जैसे इलाकों के बीच सफर आसान होगा।

एमपी नगर से गुजरेंगी बसें

परिवहन व्यवस्था में सबसे अहम बदलाव यह है कि सभी ई-बसें एमपी नगर से होकर गुजरेंगी, जिससे नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और रोजाना यात्रा करने वालों को बेहतर सुविधा मिलेगी। फिलहाल शहर में रोजाना करीब 10 से 12 हजार यात्री ई-बसों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि बसों की संख्या बढ़ने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। तीनों प्रमुख रूट शहर के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ते हैं। दरअसल भोपाल में शामिल की नई बसों को शहर की ट्रैफिक स्थिति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इन बसों की लंबाई करीब 9 मीटर है, जो पुरानी 12 मीटर लंबी सिटी बसों की तुलना में कम है। इससे संकरी सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में बसों का संचालन आसान रहेगा और ट्रैफिक जाम में फंसने की आशंका कम होगी। बसों में दिव्यांग यात्रियों के लिए लगाया हाइड्रोलिक डोर है।

बागसेवनिया क्षेत्र में चार आरोपियों पर केस दर्ज

पहले युवक से विवाद, फिर परिवार को भी घेरा, तलवार से किया हमला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया में आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध करना एक युवक और उसके परिवार को भारी पड़ गया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पहले युवक को पीटा। फिर परिवार के मौके पर पहुंचने पर तलवार से हमला कर दिया। घटना में युवक के पिता कुंवर सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है। दो अन्य परिजन भी घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार दुर्गा नगर निवासी मयंक सिंह मंगलवार रात करीब 8 बजे दोस्त के साथ मैदान की ओर जा रहा था। नाके के पास खड़े युवकों ने उस पर आपत्तिजनक टिप्पणी

की। विरोध करने पर विवाद हुआ और आरोपियों ने मारपीट कर दी। मयंक ने घर जाकर परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद भाई आशीष और पिता कुंवर सिंह मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने तलवार से हमला कर दिया। विशाल, रवि, आकाश समेत 4 आरोपियों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है।

बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद, पुलिस कर रही तलाश

गजब की गुंडागर्दी...चाकू दिखाकर बदमाशों ने वृद्ध को लूटा, जाते-जाते एक ने माफी मांगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक दुकान के बाहर बेंच पर आराम कर रहे वृद्ध को दो बदमाशों ने चाकू दिखाकर धमकाया और मारपीट कर मोबाइल, नकदी व बाइक की चाबी छीन ली। इसके बाद बावजूद वे बाइक लेकर नहीं गए। वारदात के बाद एक बदमाश ने वृद्ध से माफी मांगी और वहां से चला गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

वारदात 16 अगस्त की है, लेकिन मामला अब सामने आया है। वृद्ध सीहोर से लौटकर गोविंदपुरा स्थित घर जा रहे थे। रास्ते में थकान होने के कारण वे नागर

कोई शिकायत नहीं

वारदात के कई दिन बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आया है तो पूरा मामला खुला। लेकिन वृद्ध ने मामले की अब तक पुलिस में शिकायत नहीं की है। गोविंदपुरा टीआई नीरज वर्मा ने बताया कि पीड़ित ने केस दर्ज कराने से इनकार किया है।

किराना दुकान के पास लगी बेंच पर आराम करने लगे। इसी दौरान दो युवक उसके पास पहुंचे। एक बदमाश ने चाकू दिखाया और दोनों ने लूट लिया। वारदात के दौरान बदमाशों के हाथ बाइक की चाबी भी लग गई थी। फिर भी उन्होंने बाइक को हाथ तक नहीं लगाया। दोनों कुछ देर मौके पर रहे और फिर वहां से जाने लगे। इसी दौरान एक बदमाश ने वृद्ध से माफी मांगी। इसके बाद दोनों वहां से निकल गए। बदमाशों की यह हरकत कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

हथाईखेड़ा में 2500 रुपए के लेन-देन में विवाद

मोबाइल लौटाने में देरी से भड़क उठा युवक, घर में घुसकर की चाकूबाजी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिपलानी के हथाईखेड़ा इलाके में मोबाइल गिरवी रखने के मामले में विवाद बढ़ा और हिसंक हो गया। 2500 रुपए में गिरवी रखा मोबाइल वापस लेने पहुंचे युवक की किशोर से कहासुनी हो गई। इसके कुछ देर बाद युवक अपने तीन दोस्तों के साथ किशोर के घर पहुंचा और उसके साथ मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। बेटे को बचाने पिता आए तो उस पर भी चाकू से वार किए गए। पूरे मामले में मां के हाथ में भी चोटें आई हैं।

पुलिस के अनुसार 16 वर्षीय दुर्गेश यादव ने करीब 15 दिन पहले आशीष से 2500 रुपए में मोबाइल गिरवी रखा था। दुर्गेश यादव मोबाइल वापस लेने के लिए पहुंचा। दुर्गेश ने रकम ही लौटा दी, लेकिन मोबाइल अगले दिन देने की बात कही। इसी बात से दोनों में विवाद हो गया। बाद में आशीष अपने दोस्तों आनंद, निहाल और उदय के साथ दुर्गेश के घर पहुंचा। यहां चाकूबाजी की। इस बीच हमले के दौरान मचे शोर-शराबा सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मेट्रो एंकर

रेलवे फाटक के पार श्मशान, फाटक बंद होने पर शव यात्रा भी रोकनी पड़ रही

बैरागढ़ में आरओबी का काम 40 महीने के बाद भी अधूरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ रेलवे फाटक नंबर 115 पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य पूरा न हाने से लोग खासे परेशान हैं। फाटक पार एक दर्जनों कॉलोनी के रहवासियों का निकलना मुश्किल हो गया है। इमरजेंसी के दौरान भी फाटक बंद रहता है। विश्राम घाट भी पटरी के पार होने से शव यात्रा को घंटों तक बीच में रोकना पड़ता है।

आरओबी का 2023 में काम शुरू किया। तब निर्माण की मार्च 2026 अंतिम तिथि थी। लेकिन 40 महीने के बाद भी काम अधूरा है। काम की रफ्तार बेहद धीमी है। नाली के साथ सर्विस रोड का भी काम अधूरा पड़ा है। लाइटिंग का काम होना बाकी है।

रेलवे फाटक नंबर 115 के ऊपर बन रहा रेलवे ओवरब्रिज 40 महीने के बाद भी अधूरा ही है।

27 करोड़ का ओवरब्रिज बने तो मिले लोगों को राहत

- आरओबी की लागत 27 करोड़।
- 700 मीटर लंबा ब्रिज श्री ईएमई सेंटर से कालका चौराहे तक।
- ब्रिज लगभग 12 मीटर चौड़ा, इनमें 32 पिलर।
- ब्रिज के पास सर्विस रोड और नाली का भी निर्माण होना है।
- 2023 में अप्रैल में काम शुरू।
- मार्च 2026 तक तय की गई थी कार्य पूरा होने की डेडलाइन।

अभी तो बीच का हिस्सा बनना भी बाकी

रेलवे और पीडब्ल्यूडी विभाग ब्रिज का निर्माण संयुक्त रूप से कर रहा है। ब्रिज का काम श्री ईएमई सेंटर तरफ से हो चुका है। लेकिन दूसरे छोर कालका चौराहे तक स्लैब डाला गया है। हालांकि बीच के हिस्से का काम अभी होना बाकी है। आरओबी का निर्माण पूरा होने के बाद टेस्टिंग होगी। आरओबी कब तैयार होगा और कब इसकी सौगात जनता को मिलेगी, इसके लिए इंतजार करना पड़ सकता है। काम पूरा होने के बाद टेस्टिंग की जाएगी। भारी भरकम वाहनों की आवाजाही होगी और ब्रिज की मजबूती को परखा जाएगा। हर स्तर पर जांच निरीक्षण के बाद रिपोर्ट दी जाएगी उसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू होगी।

इमरजेंसी में भी लोगों को करना पड़ता है इंतजार

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी का कहना है कि ब्रिज निर्माण समय पर नहीं होने से यातायात व्यवस्था भी बिगड़ रही है। इमरजेंसी में लोगों का इंतजार करना पड़ रहा है शव यात्रा तक फाटक बंद होने पर रोकना पड़ रही है। वहीं, रेलवे उपयोगिता सलाहाकार समिति के सदस्य नितेश लाल का कहना है कि रेलवे के हिस्से में ट्रेन आवागमन नहीं रुकने से धीमा चल रहा है।

तीन युवक जबरन ले गए, किसी तरह छूटा

पांच लाख के विवाद में ऑटो ड्राइवर का अपहरण, श्मशान घाट ले जाकर पीटा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र में पांच लाख रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद में तीन युवकों ने ऑटो चालक को कथित तौर पर अगवा कर लिया। आरोपी उसे साईं मंदिर के सामने से जबरन बाइक पर बैठाकर भदभदा श्मशान घाट के पास सुनसान जगह ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। घायल चालक किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर थाने पहुंचा।

पुलिस के अनुसार 28 साल का शुभम भटनागर ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। गुरुवार रात वह साईं मंदिर के सामने खड़ा था। इसी बीच रितिक, शुभम और उनका एक साथी बाइक से पहुंचे। तीनों उसे जबरन अपने साथ ले गए। आरोपियों का दावा है कि शुभम पर पांच लाख रुपए बकाया हैं। वहीं, ऑटो ड्राइवर शुभम का कहना है कि आरोपियों से ही उसे करीब डेढ़ लाख रुपए लेने हैं। इसी चक्कर में दोनों पक्षों का विवाद चल रहा है। पूरी वारदात इसी लेन-देन को लेकर हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। तीनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ऑटो ड्राइवर शुभम की कहानी की सच्चाई भी जानने में लगी है। उससे लेन-देन के साक्ष्य मांगे जा रहे हैं। साथ ही यह भी पूछा जा रहा है कि आखिर दोनों पक्षों के बीच रुपए का लेन-देन किस बात को लेकर हुआ था।

मरम्मत के 8 दिन बाद फिर फूटा फ्लाई ऐश डैम: प्रभावित परिवार किए जा रहे शिफ्ट

सिंगरौली। जिले के सासन पावर लिमिटेड के ऐश डैम को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सिंगरौली जिले के सिद्धिखुर्द गांव में ऐश डैम का क्षतिग्रस्त हिस्सा एक बार फिर लीकेज हो गया। खास बात यह है कि इसी हिस्से में 14 अगस्त को भी नुकसान हुआ था और कंपनी द्वारा मरम्मत कराए जाने के महज आठ दिन बाद दोबारा क्षति सामने आई है। बताया जा रहा है कि 14 अगस्त की घटना में करीब 5760 टन फ्लाई ऐश बाहर निकलकर आसपास के खेतों और आवासीय क्षेत्र तक पहुंच गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ा और प्रशासन ने कंपनी को नोटिस जारी किया था।

पदाधिकारियों से बोले प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

जो नेता कांग्रेस छोड़कर गए, वो आज आज बीजेपी में हाशिए पर

इंदौर, दोपहर मेट्रो

जो नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, वे आज हाशिए पर हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ गए 27 में से 22 को जनता ने ही घर बैठा दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शहर और जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों के बीच यह बात कही।

इंदौर में जिले और शहर कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश संगठन प्रभारी हरीश चौधरी ने पांच सूत्र दिए- संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य और सकारात्मक सोच। उन्होंने कहा कि संपर्क का मतलब केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाना नहीं, बल्कि लगातार गांव, मोहल्ले और बूथ पर मौजूदगी बनाए रखना है। राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

दतिया का दिया हवाला

आज का युवा इंटरनेट मीडिया पर सरकार से सीधे सवाल पूछ रहा है। नेताओं ने कहा कि संगठन की असली ताकत ऊपर बैठा व्यक्ति नहीं, बल्कि बूथ, मंडलम और सेक्टर का कार्यकर्ता है, जो हर परिस्थिति में जनता के बीच रहता है। बूथ मजबूत होगा तो संगठन मजबूत होगा। दतिया की जीत का जिक्र प्रशिक्षण के दौरान कांग्रेस नेताओं में दतिया जीत का उत्साह भी दिखा।

समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 : राजधानी में कल राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव

सीएम के सामने 130 संस्थान रखेंगे विकास का एक संकल्प, प्राथमिकताओं पर रहेगा फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 के लक्ष्य को गति देने के लिए प्रदेश में पहली बार केंद्रीय, राज्य स्तरीय और निजी शिक्षण एवं शोध संस्थानों की विशेषज्ञता को विकास की प्राथमिकताओं से जोड़ने की व्यापक पहल की जा रही है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) द्वारा कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशंस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में किया जाएगा। कॉन्क्लेव की थीम ÷वन इंस्टीट्यूट-वन प्रॉमिस रखी गई है।

कॉन्क्लेव का शुभारंभ सोमवार सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे। दूसरे सत्र में ÷समावेशी आर्थिक विकास एवं सामाजिक सशक्तीकरण के लिए समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 विषय पर चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय संस्थानों के प्रतिनिधि और शासन के अधिकारी विकास की प्राथमिकताओं तथा आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श करेंगे। कॉन्क्लेव का उद्देश्य प्रदेश की विकास प्राथमिकताओं को अग्रणी केंद्रीय संस्थानों की शोध एवं नवाचार क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अधोसंरचना और मानव संसाधन से जोड़ना है। इसके माध्यम से मध्यप्रदेश के सामने मौजूद विकास चुनौतियों के समाधान के लिए संस्थागत स्तर पर दीर्घकालिक सहयोग विकसित किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि विशेषज्ञ संस्थानों की क्षमताओं का उपयोग केवल सलाह तक सीमित न रहकर वास्तविक परियोजनाओं और क्रियान्वयन योग्य समाधानों में हो।

130 से अधिक संस्थानों की भागीदारी

कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटी, एनएफएसयू भोपाल, आरआरसीएटी इंदौर, डीआरडीओ, इसरो, राष्ट्रीय एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख संस्थानों की सहभागिता रहेगी। कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, रक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण और कौशल विकास से जुड़े संस्थान भी इसमें शामिल होंगे। राज्य में स्थित 59 केंद्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों, 19 शासकीय मेडिकल महाविद्यालयों, 8 राज्य स्तरीय शोध संस्थानों और 9 चयनित निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

हर संस्थान देगा विकास का एक संकल्प

कॉन्क्लेव का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण वन इंस्टीट्यूट-वन प्रॉमिस पहल होगी। इसके तहत सहभागी संस्थान मध्यप्रदेश के लिए एक ऐसा सार्थक और क्रियान्वयन योग्य संकल्प देंगे, जिसे प्रदेश की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सके। इन संकल्पों के माध्यम से नीति निर्माण, शोध, तकनीकी सहयोग और संस्थागत साझेदारी को दीर्घकालीन स्वरूप देने का प्रयास होगा।

विभाग बताएंगे अपनी चुनौतियां

कॉन्क्लेव में कृषि, उद्यानिकी, पर्यावरण, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, नगरीय विकास, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, औद्योगिक विकास, जनजातीय कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास विभाग अपनी प्राथमिकताएं और चुनौतियां साझा करेंगे। इसके आधार पर सहभागी संस्थानों से तकनीकी, शोध और नवाचार आधारित सहयोग की अपेक्षा की जाएगी।

एमओयू से मजबूत होगी सरकार-शिक्षा-शोध साझेदारी

कॉन्क्लेव के दौरान सुशासन संस्थान और केंद्रीय संस्थानों के बीच एमओयू भी किए जाएंगे। इन समझौतों के जरिए सरकार, शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग और नवाचार के बीच मजबूत इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा। कॉन्क्लेव से सामने आने वाले सहयोगों को आगे संयुक्त अनुसंधान, विकास परियोजनाओं, तकनीकी समाधान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से जमीन पर उतारने का लक्ष्य है।

मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा पर घमासान

परीक्षा शुल्क पर भड़के शिक्षक निशुल्क एग्जाम की उठी मांग

1.50 लाख शिक्षकों से 15 करोड़ वसूलेगी सरकार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत करीब 1.50 लाख प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य की गई है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए प्रत्येक शिक्षक से एक हजार रुपये रुपए परीक्षा शुल्क और 60 रुपये पोर्टल शुल्क लिया जाएगा। इस हिसाब से करीब 15 करोड़ रुपये केवल परीक्षा शुल्क के ईएसबी को मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो चुकी है, जबकि आनलाइन परीक्षा 12 अक्टूबर से प्रस्तावित है।

शिक्षक संगठनों ने शुल्क निर्धारण पर सवाल उठाते हुए कहा है कि संबंधित शिक्षक किसी नई नौकरी या पद के लिए परीक्षा नहीं दे रहे हैं। वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सेवा में बने रहने की पात्रता पूरी करने के लिए टीईटी देंगे। ऐसे में परीक्षा का खर्च शिक्षकों से वसूलना उचित नहीं है। संगठनों के अनुसार इएसबी की अन्य परीक्षाओं में सामान्य वर्ग के आवेदकों से 500 रुपये और अन्य वर्गों से 250 रुपये शुल्क लिया जाता है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश ने सेवारत शिक्षकों की टीईटी निशुल्क कराने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि परीक्षा शासन और शिक्षा विभाग के निर्देशों के पालन का हिस्सा है, इसलिए इसका खर्च सरकार को उठाना चाहिए। संगठन ने ऑनलाइन के बजाय ऑफलाइन परीक्षा कराने की भी मांग की है।

शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग

शिक्षक संगठनों का कहना है कि शिक्षा विभाग के पास सभी शिक्षकों का सेवा और शैक्षणिक रिकार्ड उपलब्ध है। विभाग को टीईटी से वंचित शिक्षकों की सूची जारी करनी चाहिए, ताकि सभी शिक्षकों से अनावश्यक रूप से आवेदन न कराया जाए। संगठनों ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर शुल्क माफी की मांग करने की तैयारी की है।

30 अगस्त को दिल्ली में जुटेंगे शिक्षक

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित देशभर के शिक्षक 30 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटने की तैयारी में हैं। शिक्षक संगठन केंद्र सरकार से अध्यादेश लाने और शिक्षकों के हित में निर्णय लेने की मांग करेंगे। प्रदेश के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने भी शिक्षकों से दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया है।

कोविड काल में रिटायर कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का लाभ देने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कोविड-19 के दौरान स्थगित किए गए महंगाई भत्ते (डीए) की राशि को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उपदान (ग्रेच्युटी) और अवकाश नगदीकरण की गणना में शामिल कर बकाया राशि का भुगतान करने की मांग की है। इस संबंध में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद कुमार सक्सेना ने मुख्य सचिव और वित्त विभाग के सचिव को पत्र भेजा है।

पत्र में केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के 7 सितंबर 2021 के परिपत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि जनवरी 2020 से जून 2021 के बीच महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी को कोविड महामारी के कारण स्थगित किया गया था। एसोसिएशन का कहना है कि इस अवधि में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के स्थगित लाभ का नुकसान उठाना पड़ा है। एसोसिएशन ने मांग की है कि केंद्र के समान व्यवस्था के अनुरूप जनवरी 2020 से जून 2021 की अवधि में सेवानिवृत्त हुए मध्यप्रदेश के कर्मचारियों के मामले में भी स्थगित महंगाई भत्ते को उपदान और अवकाश नगदीकरण की गणना में शामिल किया जाए। इससे गणना में बनने वाली अंतर राशि का भुगतान संबंधित पेंशनरों को किया जाए।

प्रभावितों को लाभ देने की मांग

पत्र में कहा गया है कि कोविड काल में महंगाई भत्ते को स्थगित किए जाने की परिस्थितियां केंद्र और राज्यों में समान थीं। ऐसे में मध्यप्रदेश में जनवरी 2020 से जून 2021 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ भी समानता और न्याय के सिद्धांत के आधार पर निर्णय लिया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने सरकार से इस संबंध में आवश्यक कार्यपालिक आदेश अथवा परिपत्र जारी कर प्रभावित कर्मचारियों को लाभ देने की मांग की है।

जेन-जी को साधने भाजपा, सरकार और संघ की नई रणनीति,

स्कूल-कॉलेज से सोशल मीडिया तक बढ़ेगा संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में युवा वोटरों, खासकर जेन-जी और जेन-अल्फा तक पहुंच बनाने के लिए भाजपा, सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। युवाओं से सीधे संवाद के साथ सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले युवाओं और इन्फ्लुएंसर्स से संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। युवा पीढ़ी के बदलते रुझान और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राजनीतिक संगठन अब पारंपरिक बैठकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना रहे हैं। इसका मकसद युवाओं की समस्याओं, उनकी पसंद और भविष्य से जुड़ी अपेक्षाओं को समझना भी है। बता दें मध्य प्रदेश में 1.40 करोड़ से ज्यादा 18 से 29 साल के वोटर्स हैं। यह वोटर्स आगामी नगरीय निकाय, पंचायत और विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। इसको लेकर ही राजनीति पार्टियों ने युवाओं को साधने पर अपना फोकस बढ़ा दिया हैं।

भाजपा संगठन ने युवाओं से संपर्क बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने युवा मोर्चे को दी है। इसके तहत स्कूल, कॉलेज और छात्रावासों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री, सांसद और विधायक भी शैक्षणिक संस्थानों में जाकर युवाओं से संवाद करेंगे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर भी फोकस

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल जिलों में सोशल मीडिया पर सक्रिय युवा इन्फ्लुएंसर्स से संवाद करेंगे। इसके लिए अलग-अलग जिलों में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भी नई पीढ़ी के साथ सीधे संवाद की तैयारी की है। शुरुआती चरण में सितंबर में भोपाल में संघ के पदाधिकारी युवाओं से संवाद करेंगे। सरकार अगले वर्ष को युवा वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा कर चुकी है। साथ ही युवाओं को जोड़ने के लिए कौशल विकास और नई तकनीक से जुड़े कार्यक्रमों पर जोर दिया जा रहा है। इसमें एआई स्किल ट्रेनिंग, ऑनलाइन कोचिंग और रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण प्रमुख हैं।

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई पर उठे सवाल

आजीविका मिशन के अफसरों पर केस के 2 साल बाद भी चालान नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की कार्रवाई पर सवाल खड़े हुए हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज होने के करीब दो साल बाद भी मामले में चालान पेश नहीं किया गया है। सोशल एक्टिविस्ट भूपेंद्र प्रजापति ने शुक्रवार को ईओडब्ल्यू के डीजी को शिकायत पत्र सौंपा और आरोप लगाया कि विभागीय जांच में चार अधिकारियों-कर्मचारियों को दोषी माना गया था। इनमें आजीविका मिशन के पूर्व सीईओ ललित मोहन बेलवाल, अतिरिक्त सीईओ विकास अवस्थी, राज्य परियोजना प्रबंधक सुषमा रानी शुक्ला और कर्मचारी संतोष कुरुप का नाम शामिल है। आरोप है कि एफआईआर में संतोष कुरुप को नामजद नहीं किया गया, जबकि विभागीय जांच में उनका नाम दोषियों में शामिल था। प्रजापति ने यह भी आरोप लगाया कि एफआईआर के बाद सुषमा रानी शुक्ला को विभाग से हटा दिया गया, जबकि संतोष कुरुप अब भी विभाग में कार्यरत हैं।

कई जिलों में करोड़ों के कथित भ्रष्टाचार के आरोप

प्रजापति ने आरोप लगाया है कि आजीविका मिशन से जुड़े मामलों में गुना, दतिया, सागर, रायसेन और दमोह समेत कई जिलों से करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रही है। उनका आरोप है कि दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर समय पर कार्रवाई नहीं होने से भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है।

मेट्रो एंकर | दुर्घटना के बाद पीड़ितों को समय पर सहायता और कैशलेस उपचार दिलाने पर भी जोर

हादसे रोकने पुलिस चालकों को मिला सुरक्षित ड्राइविंग का प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और हादसों में घायल लोगों को समय पर शासकीय सहायता एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई), भोपाल में दो दिवसीय 'सुरक्षित वाहन चालन कोर्स' आयोजित किया गया। 20 और 21 अगस्त 2026 को आयोजित प्रशिक्षण में निरीक्षक से लेकर आरक्षक चालक स्तर तक के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उपायों से परिचित कराना तथा दुर्घटना पीड़ितों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की जानकारी देना रहा।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर पीटीआरआई के उप पुलिस महानिरीक्षक श्री टी.के. विद्यार्थी ने दुर्घटनाओं के विश्लेषण और उनके कारणों की पहचान के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए केवल यातायात नियमों का पालन ही नहीं, बल्कि हादसों के कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण और प्रभावी कार्ययोजना भी जरूरी है। उन्होंने हिट एंड रन, पीएम राहत योजना और राहवीर योजना सहित दुर्घटना पीड़ितों के लिए उपलब्ध विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि हादसे के बाद पीड़ितों को तत्काल सहायता मिले और पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में पुलिस सक्रिय भूमिका निभाए।

वाहन संचालन और रखरखाव की तकनीकी जानकारी

दो दिवसीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने सुरक्षित वाहन संचालन के साथ वाहनों के कूलिंग सिस्टम, संकेत सूचक, कारकेड संचालन और वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा वाहनों के दैनिक रखरखाव और तकनीकी जांच से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को भी समझाया गया। प्रशिक्षार्थियों को बताया गया कि वाहन की नियमित जांच और समय पर रखरखाव दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सुरक्षित ड्राइविंग के दौरान चालक की सतर्कता, गति नियंत्रण और यातायात नियमों का पालन भी दुर्घटना रोकथाम के प्रमुख आधार हैं। प्रशिक्षण में सुरक्षित सड़क नेटवर्क की अवधारणा पर भी चर्चा हुई। इसमें पदयात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 23 अगस्त 2026

गिफ्ट एंड सपोर्ट

राखी पर बहन को दें ऐसा तोहफा जो सालों तक साथ निभाए...

इस दिन कपड़े, ज्वेलरी, परफ्यूम, गैजेट या नकद पैसे देने का चलन है। लेकिन बदलते समय में तोहफे का मतलब भी बदल रहा है। ऐसा उपहार क्यों न दिया जाए, जो कुछ दिनों बाद अलमारी में पड़ा न रहे, बल्कि बहन के भविष्य को मजबूत करे?

रक्षाबंधन पर भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ राखी, मिठाई और उपहार तक सीमित नहीं रहता। भाई की कलाई पर बंधी राखी में बहन का भरोसा होता है और भाई के दिए तोहफे में उसके प्रति स्नेह।

इस बार सात हजार रुपए का उपहार देने के बजाय उसी रकम से बहन के नाम कोई वित्तीय योजना शुरू करना एक अलग और उपयोगी पहल हो सकती है। मसलन, सात हजार रुपए की शुरुआती राशि से निवेश की शुरुआत की जा सकती है और इसके साथ हर महीने छोटी रकम का स्ट्रक्शुरू किया जा सकता है। रकम छोटी हो सकती है, लेकिन नियमित निवेश और समय का फायदा इसे बड़ा बना सकता है। मसलन, यदि कोई भाई सात हजार रुपए की शुरुआती रकम के साथ हर महीने 500 रुपए का स्ट्रक्शुरू करता है, तो बहन के लिए यह सिर्फ आज का उपहार नहीं रहेगा। दस साल तक 500 रुपए महीने निवेश करने पर कुल 60 हजार रुपए जमा होंगे। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता, लेकिन लंबे समय में चक्रवृद्धि का असर इस रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यही वजह है कि वित्तीय उपहार को भविष्य के किसी लक्ष्य से जोड़ना ज्यादा सार्थक हो सकता है। वित्तीय सलाहकारों का भी मानना है कि निवेश का उपहार तभी बेहतर है, जब उसे सिर्फ रिटर्न के नजरिए से नहीं बल्कि बहन की जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता को ध्यान में रखकर चुना जाए। 2024 में वित्तीय विशेषज्ञ नितिन शाही ने भी स्ट्रक्को लेकर कहा था कि इसकी असली ताकत जल्दी शुरुआत करने और निवेश को लगातार जारी रखने में है। वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट रुचिका भगत ने बहन के लिए सुरक्षित विकल्पों में फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे साधनों पर भी विचार करने की सलाह दी थी।

शुरुआत के बाद लक्ष्य बड़ा रखें

सात हजार रुपए को सिर्फ एकमुश्त निवेश मानने के बजाय इसे वित्तीय अनुशासन की पहली सीढ़ी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए शुरुआत में 7,000 रुपए निवेश करने के साथ 500 रुपए मासिक SIP शुरू की जा सकती है। भाई चाहे तो हर साल SIP की रकम बढ़ाने का संकल्प भी ले सकता है।

एफडी, आरडी या एसआईपी किसे चुनें?

FD: जिन लोगों को अपेक्षाकृत निश्चित रिटर्न और कम जोखिम वाला विकल्प चाहिए, उनके लिए बैंक FD पर विचार किया जा सकता है।
RD: हर महीने थोड़ी रकम जमा करने की आदत बनानी हो तो RD उपयोगी हो सकती है।
SIP: लंबे समय के लक्ष्य और बाजार के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने की क्षमता है तो म्यूचुअल फंड SIP पर विचार किया जा सकता है। SIP में निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं होती।

सोना: ज्वेलरी की जगह गोल्ड श्वञ्जस्त्र जैसे निवेश विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है, लेकिन इनके नियम और जोखिम समझना जरूरी है। वित्तीय सलाह का मूल सिद्धांत यही है कि उपहार ऐसा हो, जो बहन की आर्थिक स्थिति और लक्ष्य के अनुरूप हो। केवल इसलिए कोई निवेश न करें कि वह इस समय लोकप्रिय है।

निवेश का मतलब सिर्फ पैसा देना नहीं: वित्तीय उपहार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि भाई बहन को सिर्फ रकम नहीं देता, बल्कि उसे अपने पैसों के बारे में फैसला लेने की आदत भी दे सकता है। कई घरों में बेटियों और बहनों के लिए बचत तो की जाती है, लेकिन उन्हें निवेश की जानकारी कम मिलती है। रक्षाबंधन को इस सोच को बदलने का अवसर बनाया जा सकता है। भाई बहन के साथ बैठकर यह तय कर सकता है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए है–उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करना, घर खरीदना, यात्रा, आपातकालीन फंड या भविष्य की आर्थिक स्वतंत्रता। जब निवेश किसी लक्ष्य से जुड़ता है तो उसके जारी रहने की संभावना भी बढ़ती है।

निवेश के साथ साथ फाइनेंशियल पासपोर्ट': सिर्फ निवेश शुरू करना पर्याप्त नहीं है। बहन को यह भी पता होना चाहिए कि पैसा कहां लगाया गया है, किसके नाम पर है और उसे कब तथा कैसे निकाला जा सकता है। बहन के नाम अलग बचत खाता हो तो उसे सक्रिय करें। निवेश के दस्तावेज, फोलियो नंबर और जरूरी लॉगिन की जानकारी सुरक्षित रखें। नामिनी की जानकारी जांचें और जरूरत के अनुसार अपडेट करें। बहन को स्ट्रक्क स्नष्ठ, बीमा और म्यूचुअल फंड जैसे शब्दों का बुनियादी अर्थ समझाएं। इससे उपहार किसी एक दिन की रस्म न रहकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की शुरुआत बन सकता है।

इन पांच बातों पर नजर

1. **बहन की जरूरत:** उसे अभी पैसे की जरूरत है या लंबे समय के लिए निवेश चाहिए?
2. **जोखिम क्षमता:** हर निवेश हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होता।
3. **समय अवधि:** एक-दो साल के लक्ष्य और दस-पंद्रह साल के लक्ष्य के लिए एक जैसी रणनीति नहीं हो सकती।
4. **नियमितता:** बड़ी रकम एक बार देने के बजाय छोटी रकम नियमित रूप से निवेश करना कई लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक हो सकता है।
5. **बहन की सहमति और जानकारी:** निवेश उसके नाम है तो उसे पूरी जानकारी भी होनी चाहिए। उसके भविष्य से जुड़े फैसले उसकी राय के साथ लिए जाएं।

रक्षाबंधन का असली अर्थ सुरक्षा का वादा है। आज इस सुरक्षा का एक हिस्सा आर्थिक भी है। इसलिए भाई अगर इस बार बहन को सात हजार रुपए का लिफाफा देने के बजाय उसके भविष्य के लिए निवेश की शुरुआत करता है तो यह उपहार समय के साथ अपना अर्थ बढ़ा सकता है।

जीवन ज्योति

भीतर की शांति से ही बदलती है जिंदगी

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में परिस्थितियां हमेशा हमारे अनुसार नहीं चलतीं। कभी सफलता मिलती है, कभी असफलता सामने आती है। कभी अपने साथ होते हैं तो कभी अकेलापन महसूस होता है। ऐसे समय में सबसे जरूरी है अपने मन को समझना। बाहर की परिस्थितियों को बदलने से पहले भीतर की सोच को बदलना जरूरी है। अध्यात्म का अर्थ दुनिया से दूर चले जाना नहीं है। अध्यात्म का वास्तविक अर्थ है खुद को पहचानना, अपनी सोच को समझना और अपने मन पर नियंत्रण रखना। जब मन शांत होता है तो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सही निर्णय लिया जा सकता है। अशांत मन छोटी-सी बात को भी बड़ी समस्या बना देता है, जबकि शांत मन बड़ी समस्या का भी समाधान खोज लेता है।

जीवन में दुख का एक बड़ा कारण अपेक्षाएं हैं। हम चाहते हैं कि दूसरे लोग हमारे अनुसार व्यवहार करें। कोई हमारी बात माने, हमें सम्मान दे, हमारी भावनाओं को समझे। जब ऐसा नहीं होता तो मन दुखी होता है। लेकिन किसी दूसरे व्यक्ति के व्यवहार पर अपनी खुशी निर्भर कर देना स्वयं को कमजोर बनाना है। अपनी खुशी की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। हर व्यक्ति के भीतर एक शांत और शक्तिशाली चेतना है। उसे पहचानने की जरूरत है। दिन की शुरुआत कुछ क्षण अपने साथ बिताकर की जाए तो मन अधिक स्थिर रहता है। आंखें बंद करके अपने बारे में अच्छे विचार करना, स्वयं को शांत और सकारात्मक ऊर्जा से भरना तथा परमात्मा को याद करना मन को नई शक्ति देता है।

विचार ही जीवन की दिशा तय करते हैं। जैसा विचार बार-बार मन में आता है, वैसी ही भावनाएं पैदा होती हैं और वैसा ही व्यवहार होने लगता है। इसलिए नकारात्मक विचारों को रोकना जरूरी है। किसी ने कुछ गलत कहा तो उसे बार-बार याद करते रहना उस व्यक्ति को नहीं, बल्कि अपने मन को परेशान करता है। क्षमा करना इसलिए जरूरी है क्योंकि इससे सामने वाले से ज्यादा स्वयं को मुक्ति मिलती है। परिवार में भी शांति की शुरुआत स्वयं से करनी होगी। रिश्तों में अधिकार से ज्यादा सम्मान और अपेक्षा से ज्यादा समझ की जरूरत है। सामने वाला बदल जाए, इसका इंतजार करने के बजाय अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। एक शांत शब्द कई बार उस विवाद को रोक सकता है, जिसे बहस कभी खत्म नहीं कर पाती।

सफलता केवल पैसा, पद या प्रतिष्ठा का नाम नहीं है। वास्तविक सफलता तब है जब उपलब्धियों के बीच भी मन शांत रहे। धन जीवन को सुविधाएं दे सकता है, लेकिन सच्ची खुशी भीतर से आती है। इसलिए जीवन में बाहरी उपलब्धियों के साथ आंतरिक समृद्धि भी जरूरी है। हर दिन स्वयं से एक सवाल करना चाहिएआज मेरे विचार कैसे थे? मैंने किसी को दुख तो नहीं दिया? क्या किसी परिस्थिति ने मेरी शांति छीन ली? यदि जवाब सकारात्मक नहीं है तो अगले दिन को बेहतर बनाया जा सकता है। अध्यात्म कोई कठिन साधना नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। स्वयं को समझना, दूसरों को सम्मान देना, नकारात्मकता छोड़ना, क्षमा करना और हर परिस्थिति में शांत रहना–यही भीतर की शक्ति है। जब भीतर परिवर्तन आता है, तब परिस्थितियां वही रहते हुए भी जीवन को देखने का नजरिया बदल जाता है। यही बदलाव जीवन को अधिक सुखी, सहज और सार्थक बना सकता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 23 से 29 अगस्त तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: जातक को इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं। व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित बाधाओं को दूर करने में सक्षम रहेंगे, साथ ही आपके घर परिवार में आगामी दिनों में होने वाली मांगलिक कार्य की तैयारी पूर्णता की ओर होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत परिश्रम भरा रहने के संकेत हैं। आशा के विपरीत आपके अधिनस्थ और उच्च पद प्रतिष्ठा वाले लोगों से परिणाम न मिलने से मन में व्यग्रता का भाव रह सकता है। लेकिन सप्ताह के अंत में कुछ कार्य संपन्न होने के संकेत मिल रहे हैं,अत: निराश ना हो।

मिथुन: इस सप्ताह में धनागम व्यापार व्यवसाय विशेष रूप से साहित्य जगत में कार्य करने वाले जातक लेखन पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, आप अपने बौद्धिक स्तर से मान सम्मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सक्षम रहेंगे, आय के साधन बढ़ेंगे, तथा बच्चों के कार्य समय पर होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से मांगलिक कार्य धार्मिक यात्रा तीर्थ स्थलों का दर्शन एवं प्राकृतिक स्थान का भ्रमण जैसे कार्य में समय व्यतीत होगा, और घर परिवार के साथ भ्रमण का आनंद और यात्रा का अवसर आपके मन को प्रफुल्लित करेगा, संतति के कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में व्यवहार की अधिकता रहने के संकेत मिल रहे हैं। आगामी दिनों में बच्चों की शिक्षा दीक्षा साथ ही घर की परिवार की अन्य व्यवस्थाओं में आपकी व्यस्तता रहने की संकेत है, और आय से अधिक व्यय का भार आ सकता है, अत: अपने आर्थिक कार्यों में विशेष सावधानी रखना नितांत आवश्यक है, मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत मिल रहे हैं, घर परिवार के लोगों के द्वारा साथी मित्रों के द्वारा आपको उत्तम सहयोग प्राप्त होगा, जिससे कई दिनों से लंबित कार्य संपन्न हो सकता है। संतति के कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, व्यापार व्यवसाय कृषि एवं अन्य कार्यों में आपको उत्तम लाभ के संकेत मिल रहे हैं, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को उत्तम पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आर्थिक प्रभार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता है, आय से अधिक व्यय करने से बच्चे साथी अनावश्यक व्यय करना आपको कठिनाई में डाल सकता है। अत: लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

धनु : राशि के जातक इस समय कुछ कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। आपको घर परिवार के किसी बुजुर्ग के कारण मानसिक चिंतन बना हुआ है, उनके स्वास्थ्य की अथवा अन्य किसी प्रकार की चिंता कठिनाई में डाले हुए हैं, आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें शरीर में पीड़ा मन में चिंता रहने से आपको कठिनाई महसूस हो रही है,ऐसे समय में हनुमान जी की आराधना, उपासना, शनि का दान करना उत्तम फल देने वाला रहेगा।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, जिस लक्ष्य को लेकर आप निरंतर परिश्रम कर रहे हैं ,उसे लक्ष्य की पूर्ति का संकेत मिल रहा है, और आप निरंतर अपने कार्यों में निष्ठा के साथ लग रहे भविष्य में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को आगामी दिनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ : राशि के जातक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सामाजिक आर्थिक एवं अन्य मोर्चों पर घर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होने से साथी घर परिवार के कार्यों को करने में सफलता मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में कुछ उतार चढ़ाव एवं मानसिक चिंतन का समय रहेगा, ऐसे अवसर पर वरिष्ठ जनों एवं गुरुजनों से मिलकर सलाह लेकर अपने कार्यों का संपादन करें, नवीन व्यापार व्यवसाय अथवा किसी भवन भूमि या वस्तु के क्रय विक्रय में सोच समझकर कार्य करें अन्यथा आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें, उधर विकार से आपको कठिनाई हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

रवींद्र कुशवाह
युवा व्यंग्यकार

फोटो नहीं तो हुआ ही क्या...

एक जमाना था जब आदमी कहीं जाता था तो लौटकर बताता था– 'भाई, जगह बहुत सुंदर थी।' अब वह लौटकर कुछ नहीं बताता। बस मोबाइल आगे कर देता है– 'ये देखो, मैं वहां था।' खाने की प्लेट तो अब विशेष रूप से परेशान है। बेचारी पहले रसोई से निकलकर सीधे पेट तक जाती थी। अब बीच में कैमरे की अदालत से गुजरती है। प्लेट मेज पर आई नहीं कि मोबाइल उसकी ओर ऐसे झुकता है जैसे कोई वीआईपी आया हो।

दाल को थोड़ा किनारे करो, सब्जी को सजाओ, रोटी को कोण पर रखो, चटनी को कटोरी में डालो और फिर– 'रुको... पहले फोटो!' भूख सामने बैठी इंतजार कर रही है और इंस्टाग्राम को खाना परोसा जा चुका है।

कभी-कभी लगता है कि आज के भोजन में दो चीजें होती हैं– एक कैलोरी और दूसरी कंटेंट। यात्रा तो अब पर्यटन कम, फोटो निर्माण उद्योग ज्यादा हो गई है। पहाड़ पर पहुंचे नहीं कि कैमरा निकल आया। झरना सामने है, लेकिन आदमी झरने को नहीं देख रहा, यह देख रहा है कि झरने के साथ उसकी नाक कितनी अच्छी लग रही है। समुद्र की लहरें आती-जाती रहती हैं और यात्री पोज बदलता रहता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के सामने जाइए। वहां उस इमारत से ज्यादा लोग अपने फोटो में दिखाई देंगे। लगता है आने वाली पीढ़ियां जब इतिहास पढ़ेंगी तो उन्हें स्मारकों से ज्यादा हमारे पोज दिखाई देंगे।

अब तो प्रकृति भी शायद परेशान होगी। सूर्योदय रोज निकलता है, मगर आदमी उसे देखकर प्रसन्न होने के बजाय तुरंत मोबाइल निकालता है– 'आज का सनराइज कुछ अलग है।' सूर्य बेचारा भी सोचता होगा– 'भाई, मैं रोज यही करता हूं!'

बारिश शुरू होते ही खिड़की के पास चाय का कप रखिए, मोबाइल निकालिए और फोटो डालिए– 'बारिश, चाय और सुकून।' पांच मिनट बाद वही व्यक्ति छाता लेकर बाजार में सब्जी खरीदने निकलता है और रास्ते में पानी भरे गड्ढे को देखकर सरकार को कोसता है। सोशल मीडिया पर बारिश रोमांस है, सड़क पर वही बारिश प्रशासन की परीक्षा।

जन्मदिन पर केक काटने से पहले फोटो, शादी में फेरे से पहले फोटो, बच्चे के जन्म के बाद फोटो, पुरस्कार मिलने पर फोटो। यहां तक कि पौधा लगाते समय भी पौधे से ज्यादा ध्यान इस बात पर रहता है कि फोटो में पौधा और लगाने वाला दोनों साफ दिखाई दें। कभी-कभी लगता है कि हम काम कम और उसके प्रमाण ज्यादा जुटा रहे हैं। पहले लोग कहते थे– 'मैंने यह किया।' अब दुनिया कहती है– 'फोटो दिखाओ।'

फोटो का एक और कमाल है। आदमी कहीं घूमकर आता है और फिर घर बैठकर फोटो देखता है कि वह कहां घूमकर आया था। कभी-कभी तो परिवार की पूरी छुट्टी मोबाइल की गैलरी में बीत जाती है। असली सवाल यह होना चाहिए कि यात्रा के दौरान कितना देखा, महसूस किया और जिया; लेकिन सवाल होता है– 'कितनी फोटो आईं?'

सबसे मजेदार बात यह है कि फोटो खींचते-खींचते हम सामने वाले को देखना भूल गए हैं। दोस्त सामने बैठा है, हम उसकी बात सुनने के बजाय उसका अच्छा एंगल खोज रहे हैं। बच्चा खेल रहा है, हम उसके साथ खेलने के बजाय उसका वीडियो बना रहे हैं। मां ने प्यार से खाना परोसा है और हम पहले उसकी तस्वीर ले रहे हैं।

यानी जिंदगी हमारे सामने हो रही है और हम उसे मोबाइल की स्क्रीन पर देख रहे हैं। फोटो खींचिए, खूब खींचिए। यादें बचाना अच्छी आदत है। लेकिन हर खुशी को सार्वजनिक करना जरूरी नहीं। कुछ यात्राएं बिना सेल्फी के भी सुंदर होती हैं, कुछ भोजन बिना फोटो के भी स्वादिष्ट और कुछ रिश्ते बिना पोस्ट के भी बहुत गहरे। क्योंकि जिंदगी का असली मजा यह नहीं कि कितने लोगों ने हमारी तस्वीर देखी। असली मजा यह है कि जब मोबाइल दूर रखा था, तब हमने कितनी जिंदगी देखी। और हां, अगली बार खाना आए तो फोटो जरूर खींचिएगा... मगर उससे पहले एक निवाला खा लीजिए। कहीं ऐसा न हो कि आपकी पोस्ट वायरल हो जाए और रोटी ठंडी होकर इतिहास बन जाए।

टेक्नो अपडेट

अब रोबोट सिर्फ चलेंगे नहीं, समझकर काम करेंगे

रोबोट अब केवल इंसानों की तरह दिखने या चलने तक सीमित नहीं रहेंगे। अगली बड़ी तकनीकी छलांग उन्हें अपने आसपास की दुनिया को समझकर उसके मुताबिक फैसला लेने और काम करने में सक्षम बनाने की दिशा में है। रोबोटिक्स क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ह्यूमनॉइड रोबोट के दिमाग में होने वाला बदलाव उतना ही बड़ा हो सकता है, जितना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में चैटजीपीटी के आने से हुआ था।

रोबोट का नया दिमाग: चीन की रोबोटिक्स कंपनी एसीई रोबोटिक्स के चेयरमैन वांग शियाओगांग ने अनुमान जताया है कि 2027 के अंत तक ह्यूमनॉइड रोबोट में ऐसा बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके पीछे जिस तकनीक पर काम हो रहा है, उसे Embodied AI यानी ऐसी एआई तकनीक कहा जा रहा है जो केवल जानकारी को समझती नहीं, बल्कि उसे वास्तविक दुनिया में कार्रवाई से जोड़ती है। आज का एआई किसी सवाल का जवाब दे सकता है, तस्वीर पहचान सकता है या दस्तावेज तैयार कर सकता है। लेकिन ह्यूमनॉइड रोबोट को इससे आगे जाना होगा। उसे सामने रखी वस्तु पहचाननी होगी, जगह का अंदाजा लगाना होगा, रास्ता तय करना होगा और फिर अपने हाथ-पैर का इस्तेमाल करके काम पूरा करना होगा।

आंख, दिमाग और हाथ एक साथ: नई पीढ़ी के रोबोट में कैमरे और सेंसर आसपास की जानकारी जुटाएंगे। एआई मॉडल उस जानकारी का अर्थ समझेगा और फिर कार्रवाई की योजना बनाएगा। यानी रोबोट के लिए सिर्फ यह जानना पर्याप्त नहीं होगा कि सामने मेज है; उसे यह भी समझना होगा कि मेज पर रखी वस्तु उठाई जा सकती है, उसे कहां ले जाना है और रास्ते में कोई बाधा तो नहीं है। यही वजह है कि रोबोटिक्स कंपनियां वास्तविक दुनिया से बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण डेटा जुटाने में लगी हैं। एसीई रोबोटिक्स उत्पादन लाइनों से वास्तविक गतिविधियों का डेटा इकट्ठा करने के लिए हल्के सेंसरों का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी का लक्ष्य अगले दो वर्षों में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों घंटे का डेटा जुटाना है।

दुकान से कारखाने तक पहुंच: ऐसे रोबोटों का इस्तेमाल भविष्य में गोदामों, कारखानों, दुकानों और लॉजिस्टिक्स में हो सकता है। सामान उठाने, व्यवस्थित करने, पहुंचाने और दोहराए जाने वाले कई कामों में रोबोट इंसानों की मदद कर सकते हैं।

कुर्सियों पर ठाठ से बैठे रहे बीजेपी नेता, पास ही खड़ीं रहीं बीजेपी विधायक, मंच से निकाली भड़ास

बीजेपी विधायक प्रियंका पैंची ने कहा- सरकार ने 33 फीसदी आरक्षण दिया है लेकिन बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं मिलती

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना में आयोजित गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उस समय भारी राजनीतिक ड्रामा और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई, जब कार्यक्रम की मुख्य अतिथियों में शामिल महिला विधायक प्रियंका मीना पैंची और नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता को बैठने के लिए कुर्सी तक नसीब नहीं हुई। पहली पंक्ति में अतिथियों के लिए कुर्सियां और सोफे आरक्षित थे, लेकिन उन पर पहले से भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और नेता ठाठ से बैठे बैठे हुए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब चांचौड़ा विधायक प्रियंका पैंची और नपाध्यक्ष सविता गुप्ता वहां पहुंचीं और उन्होंने बैठने के लिए जगह मांगी, तो पहले से बैठे पुरुष नेता टस से मस नहीं हुए। इस उपेक्षा से नाराज होकर विधायक प्रियंका पैंची ने खुद अपने हाथों से कुर्सी उठाई और लगाकर अलग बैठ गईं। कुछ ऐसी ही स्थिति नपाध्यक्ष सविता गुप्ता के साथ बनी। पूरे घटनाक्रम के दौरान मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारी मूकदर्शक और बेबस बने रहे, जो दोनों प्रमुख महिला प्रतिनिधियों के लिए बैठने का समुचित इंतजाम तक नहीं करा सके। इस दौरान दोनों महिला जनप्रतिनिधियों ने आपस में बात कर अपनी नाराजगी भी जताई। मंच पर पहुंचते ही विधायक प्रियंका मीना पैंची का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं और व्यवस्थापकों को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने खरी-खरी सुनाते हुए कहा, जब सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है, तो फिर हमें बैठने के लिए कुर्सी क्यों नहीं दी जा रही है। मेरे भाव ऐसे नहीं हैं कि मैं किसी को नीचा दिखाऊं, लेकिन यह सबने देखा है। महिलाएं आगे दिखीं तो और अच्छा दृश्य दिखेगा। उन्होंने तंज कसते हुए आगे कहा कि आप लोग खुद अनुमान लगा सकते हैं कि एक महिला विधायक और नपाध्यक्ष को कुर्सी न मिलने पर क्या स्थिति बनी होगी।

पार्टी संगठन से की शिकायत

विधायक प्रियंका पैंची ने इस पूरे वाक्य की शिकायत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी की है। मीडिया से बात करते हुए विधायक प्रियंका पैंची ने कहा कि- आप लोग सब तो थे, वहां आपने ही सब देखा है। खुद अनुमान लगा सकते हैं कि एक महिला विधायक होने के नाते मुझे और नपाध्यक्ष को कुर्सी नहीं मिली। मैंने संगठन में अपनी बात रख दी है और सब वाकया देखकर आप खुद अनुमान लगा सकते हो क्या स्थिति बनी होगी। यहां यह भी बता दें कि, इससे पहले भी कृषि बलराम कार्यक्रम के दौरान मंच से महिला विरोधी बयानों का विरोध करने पर विधायक प्रियंका मीना चर्चा में रही थीं। लगातार दूसरे कार्यक्रम में इस कथित अपमान ने भाजपा के अंदरूनी तालमेल और महिला प्रतिनिधियों के प्रति नेताओं के रवैये पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

न्यूज विंडो

साड़ी पहनकर 'दुल्हन' बना युवक, बाइक पर ले जा रहा था दोस्त; ग्रामीणों ने पकड़ा

उज्जैन। परिवार को शादी का अनोखा सरप्राइज देने की सनक में दो युवकों को गांव वालों के गुस्से और पुलिस थाने तक पहुंचने का सामना करना पड़ गया। मामला उज्जैन जिले के ग्राम चिरोला का है, जहां एक युवक अपनी बाइक पर साड़ी पहने दूसरे युवक को दुल्हन की तरह बैठाकर ले जा रहा था। मामला तब सामने आया, जब ग्रामीणों की नजर दोनों पर पड़ी। खरसोद कला निवासी आदित्य पिता जगदीश अपने साथ चिंतामन जवासिया निवासी संदीप पिता दुलीचंद को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जा रहा था। संदीप ने बाकायदा साड़ी पहन रखी थी, ताकि वह पहली नजर में महिला या नई नवेली दुल्हन जैसा दिखाई दे। लेकिन जब दोनों ग्राम चिरोला से गुजर रहे थे, तो बाइक पर पीछे साड़ी पहनकर बैठे व्यक्ति की वेशभूषा और हाव-भाव देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। ग्रामीणों ने तुरंत मोटरसाइकिल रुकवाकर पूछताछ की और चेहरा देखा तो हैरान रह गए। साड़ी के पल्लू के पीछे कोई महिला नहीं, बल्कि एक युवक निकला। पकड़े जाने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने दोनों की पिटाई कर दी और मामले की सूचना भाटपचलाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों युवकों को थाने ले आई। भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येंद्र चौधरी ने बताया कि पूछताछ में घटना के पीछे की अजीब वजह सामने आई। साड़ी पहनने वाला युवक संदीप मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। इसी का फायदा उठाकर आदित्य ने उसे साड़ी पहनने के लिए राजी कर लिया।

होटल में युवतियों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिले कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष समेत तीन युवक

गुना। जिले के चांचौड़ा के होटल में छापा मारते हुए पुलिस ने कांग्रेस के ब्यावरा ब्लॉक अध्यक्ष सहित तीन लोगों को युवतियों के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा है। घटना बीते दिन की बताई जा रही है। पुलिस की दबिश के दौरान होटल में भगदड़ मच गई। इस दौरान पकड़ाए युवक और युवतियों ने हंगामा करते हुए रौब झाड़ने की भी कोशिश की। पुलिस ने होटल मालिक सहित चार के खिलाफ केस दर्ज किया है। चांचौड़ा टीआइ दिलीप कुमार राजौरिया के अनुसार, मनोहर थाना रोड पर उपजेल के सामने स्थित होटल राज पैलेस में मुखबिर की सूचना पर छापा मारा गया। इस दौरान राजगढ़ जिले के ब्यावरा के कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राहुल दांगी पुत्र रामप्रसाद दांगी 30 साल निवासी भोपाल बायपास ब्यावरा, इंद्र सिंह पुत्र कमल सिंह मेहर 22 साल निवासी बीनागंज, उमाकांत पुत्र दिनेश पुरी निवासी ग्राम भमावद हाल मुकाम भगतसिंह कॉलोनी गुना को तीन युवतियों के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा है। टीआइ दिलीप कुमार राजौरिया ने बताया कि, मुखबिर की सूचना पर होटल में दबिश दी गई थी। जहां तीनों युवक होटल के अलग-अलग कमरों में आपत्तिजनक स्थिति में मिले हैं। टीआइ राजौरिया के अनुसार, युवतियों ने इस मामले में किसी भी तरह की शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। इसलिए हमने होटल मैनेजर हर्ष पुत्र घनश्याम राजपूत निवासी छान चाचौड़ा सहित चारों आरोपियों के खिलाफ शांति भंग करने की धारा में केस दर्ज कर सभी को तहसीलदार कोर्ट में पेश किया, जहां से चारों को जमानत पर छोड़ दिया है।

अंतिम सफर भी बेबस, बारिश में कीचड़ भरे रास्तों से गुजरती है शव यात्रा

गंजबासौदा। किसी अपने को खोने का दर्द पहले ही परिवार को भीतर तक तोड़ देता है, लेकिन ग्राम बरखेड़ा में अपनों को अंतिम विदाई देना भी ग्रामीणों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। शहर से करीब 12 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में आज तक व्यवस्थित श्मशान घाट की सुविधा नहीं है। न अंतिम संस्कार के लिए शेड है और न ही श्मशान स्थल है। मजबूरी में ग्रामीण दूसरे की निजी जमीन पर खुले स्थान पर अंतिम संस्कार करने को विवश हैं। बरसात के दिनों में ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती हैं। गांव से अंतिम यात्रा निकलने वाले रास्ते कीचड़ और पानी से भर जाते हैं। ऐसे में कंधों पर शव लेकर चलना भी आसान नहीं रहता। कई जगह रास्ता इतना खराब हो जाता है कि ग्रामीणों को कीचड़ और दलदल से होकर शव यात्रा निकालनी पड़ती है। एक ओर परिजन अपनों को खोने के गम में होते हैं, वहीं दूसरी ओर रास्ते की दुश्वारियां उनकी पीड़ा को और बढ़ा देती हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव में श्मशान घाट के लिए कोई व्यवस्थित स्थान और आवश्यक सुविधाएं नहीं हैं। अंतिम संस्कार खुले स्थान पर करना पड़ता है। बारिश होने पर स्थिति और कठिन हो जाती है। खुले में चिता सजाने के दौरान बारिश से लकड़ियां गीली हो जाती हैं, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भी परेशानी आती है। ग्रामीणों का कहना है कि जीवन की अंतिम विदाई के लिए भी उन्हें मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि निजी जमीन में अंतिम संस्कार किया जाता हैं। गांव में लंबे समय से श्मशान घाट बनाने की मांग की जा रही है। पंचायत और प्रशासन से कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

कुबेरेश्वरधाम कांवड़ यात्रा: घाटों पर निगरानी, यातायात डायवर्जन लागू रहेगा

600 वॉलेंटियर्स करेंगे श्रद्धालुओं की हर तरह से मदद, 1200 जवान संभालेंगे सुरक्षा

सीहोर। दोपहर मेट्रो

25 अगस्त को प्रस्तावित कुबेरेश्वरधाम कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। यात्रा के दौरान 23 से 25 अगस्त तक करीब 1200 पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। इनके साथ कुबेरेश्वरधाम समिति के करीब 600 वॉलेंटियर्स भी श्रद्धालुओं की सहायता, भीड़ नियंत्रण और मार्गदर्शन में प्रशासन का सहयोग करेंगे।

यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए अशोकनगर, गुना और ग्वालियर से करीब 800 पुलिसकर्मियों का अतिरिक्त बल बुलाया गया है। स्थानीय पुलिस बल के 300 से 400 जवानों को मिलाकर करीब 1100 से 1200 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे ने बताया कि पुलिसकर्मियों को अलग-अलग प्वाइंट पर तैनात किया जाएगा। अधिकारियों की ब्रीफिंग के बाद ड्यूटी का अंतिम वितरण किया जाएगा। सीवन नदी घाट, विसर्जन स्थलों और अन्य प्रमुख घाटों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए सीवन नदी में उतरने पर रोक रहेगी। घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ बोट भी तैनात रहेंगी। आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित दलों को अलर्ट रखा जाएगा।

करेंगे श्रद्धालुओं की मदद

कुबेरेश्वरधाम समिति के करीब 600 वॉलेंटियर्स प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाएं संभालेंगे। ये श्रद्धालुओं को मार्ग की जानकारी देने, भीड़ नियंत्रण, सेवा केंद्रों पर सहयोग और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का काम करेंगे। कलेक्टर बालागुरू के. ने अधिकारियों की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। डीजे के साथ यात्रा में शामिल होने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यात्रा मार्ग पर लगातार अनाउंसमेंट सिस्टम संचालित रखने और श्रद्धालुओं को जरूरी सूचनाएं देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

5 मेडिकल प्वाइंट बनाए

श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा के लिए यात्रा मार्ग पर पांच मेडिकल प्वाइंट बनाए गए हैं। ये मानक बाग, डीमार्ट, चौपाल सागर, परमार ढाबा और मोगराफूल जोड़ पर रहेंगे। कुबेरेश्वरधाम परिसर में भी अलग-अलग स्थानों पर मेडिकल प्वाइंट बनाए गए हैं। पीएचसी गुड़भेला-नापलाखेड़ी जोड़ और एसएचसी चितोड़िया हेमा को भी स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ा गया है।

41 साल पुरानी ओवरहेड टंकी ध्वस्त

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप नपा परिषद ने जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने के लिए अमृत 2.0 योजना के तहत पुरानी और जर्जर ओवरहेड टंकियों को हटाने की कार्रवाई शुरू की है। इसी क्रम में बीते दिन शाम लगभग 5: 30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच 41 साल पुरानी एक ओवरहेड टंकी को ध्वस्त किया गया।

टंकी लगभग 18 मीटर ऊंची और 2.50 लाख लीटर क्षमता वाली थी। लंबे समय से यह क्षेत्र में पानी का भंडारण और वितरण कर रही थी, लेकिन अत्यधिक पुरानी और जर्जर हो जाने के कारण इसे हटाया गया। सुरक्षा के लिए आसपास का क्षेत्र खाली कराया गया, मुनादी की गई और पास के स्कूल भवन को भी खाली किया दिया गया था। कार्रवाई पुलिस और नगर पालिका अधिकारियों की निगरानी में हुई।टंकी को सीधे नहीं गिराया गया। पहले इसकी संरचना को चारों तरफ से काटा गया, फिर सीलिंग बांधकर हाइड्रा मशीन की मदद से नियंत्रित तरीके से खींचकर सुरक्षित रूप से जमीन पर गिराया गया। सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने बताया कि पुरानी हटाई गई टंकी सुरक्षा की दृष्टि से ध्वस्त की गई है और इसके स्थान पर नई ओवरहेड टंकी का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे पानी के भंडारण और वितरण व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। इंजीनियर अभिषेक बाथम ने बताया कि अमृत 2.0 के तहत नगर में कुल तीन पुरानी जर्जर ओवरहेड टंकियां हटाई जा रही हैं। इनके स्थान पर नई जल संरचनाएं बनाई जाएंगी।

त्योहारों से पहले मिठाई दुकानों पर प्रशासन की जांच, लिए छह नमूने

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों को देखते हुए जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने शहर के विभिन्न मिष्ठान्न विनिर्माण केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर की गई कार्रवाई में मिठाइयों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया, भंडारण और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं की जांच की गई। इस दौरान अलग-अलग प्रतिष्ठानों से मिठाइयों के छह नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

संयुक्त दल ने डमरू वाला स्वीट कारखाने से छेना रसगुल्ला और बादाम बर्फी के नमूने लिए। वहीं राजस्थान मिष्ठान्न, इंदिरा चौक के साकेत नगर स्थित कारखाने से डोडा बर्फी और बंगाली मिठाई के नमूने लिए गए। इसी प्रकार न्यू राजस्थान मिष्ठान्न, चक्कर रोड से चिरौंजी मावा बर्फी और मावा केसर कतली के नमूने लिए गए। सभी छह नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसमें सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं भंडारण की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मिष्ठान्न कारोबारियों को खाद्य पदार्थों के निर्माण और भंडारण के दौरान आवश्यक स्वच्छता मानकों का पालन करने तथा परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की जांच कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जांच कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सुनील शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी भोजराज सिंह धाकड़ और जितेंद्र सिंह राणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर संगीतमय श्री शिवमहापुराण कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण आनंद महोत्सव का समापन

कार्तिकेय-गणेश जन्म से बाणासुर प्रसंग तक सुनाई शिवमहापुराण की कथा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गांधी चौक स्थित पुरानी नगर पालिका के पीछे आयोजित संगीतमय श्री शिवमहापुराण कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण आनंद महोत्सव के समापन दिवस कथा व्यास पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने भगवान शिव से जुड़े अनेक दिव्य प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के अंतिम दिवस भगवान कार्तिकेय एवं भगवान गणेश के जन्म से लेकर श्रीकृष्ण द्वारा भगवान शिव की आराधना, वरदान प्राप्ति और भगवान शिव के परम भक्त बाणासुर के प्रसंग तक की कथा सुनाई गई।

कथा व्यास ने भगवान कार्तिकेय के जन्म का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि देवताओं को तारकासुर के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान शिव के तेज से कार्तिकेय जी का प्राकट्य हुआ। बाल्यकाल से ही अद्भुत तेज और पराक्रम से संपन्न कार्तिकेय ने आगे चलकर तारकासुर का वध कर देवताओं को भय से मुक्ति दिलाई। इसके बाद भगवान गणेश के जन्म और उनके अद्भुत चरित्र का वर्णन किया गया। माता पार्वती द्वारा अपने उबटन से गणेश जी की रचना, भगवान शिव के साथ उनका सामना तथा माता-पिता की परिक्रमा कर समस्त लोकों की परिक्रमा का फल प्राप्त करने का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा व्यास ने कहा कि भगवान गणेश बुद्धि, विवेक और माता-पिता के प्रति सर्वोच्च श्रद्धा के प्रतीक हैं। समापन दिवस पर श्रीकृष्ण और भगवान शिव की भक्ति का प्रसंग भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने बताया कि श्रीकृष्ण ने भगवान शिव की आराधना एवं तपस्या कर उनकी कृपा प्राप्त की और उनसे वरदान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण द्वारा भगवान शिव की आराधना किया जाना शिव भक्ति की महत्ता को दर्शाता है। इसके साथ ही भगवान शिव के परम भक्त बाणासुर की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। बाणासुर ने भगवान शिव की कठोर आराधना कर उनकी कृपा प्राप्त की और वरदान हासिल किया। उसकी अनन्य भक्ति के कारण स्वयं महादेव उसके रक्षक बने। आगे चलकर बाणासुर के अहंकार और श्रीकृष्ण के साथ हुए संघर्ष का प्रसंग भी कथा में सुनाया गया। पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने कहा कि इन सभी प्रसंगों में भगवान शिव की करुणा, भक्ति की शक्ति और अहंकार के परिणाम का संदेश मिलता है। निष्काम और श्रद्धापूर्ण भक्ति जीवन को सार्थक बनाती है, जबकि वरदान प्राप्त होने के बाद उत्पन्न अहंकार पतन का कारण बन सकता है। समापन दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे। भजनों और भगवान के जयकारों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। हर-हर महादेव और जय श्री गणेश के जयघोष से कथा परिसर गुंजायमान रहा। इस प्रकार श्री शिवमहापुराण कथा का समापन भगवान शिव की महिमा, उनके भक्तों की भक्ति और विभिन्न दिव्य प्रसंगों के साथ भक्तिमय वातावरण में हुआ।

फर्जी फर्म एवं म्यूल बैंक खाते खुलवाकर करोड़ों रुपये का आनलाइन सट्टा खिलाने वाले संगठित गिरोह और उससे जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

2.69 करोड़ से अधिक नकदी, करीब 30 लाख का सोना और नोट गिनने की मशीन जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

सायबर अपराध एवं सायबर ठगी के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी एवं तकनीकी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, ने सायबर अपराधों की पतारसी, सायबर ठगी में प्रयुक्त बैंक खातों की पहचान तथा आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है।

थाना मकरोनिया पुलिस ने सायबर अपराध से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह द्वारा बेरोजगार एवं सामान्य व्यक्तियों को कमीशन एवं पैसों का लालच देकर उनके दस्तावेज प्राप्त किए जाते थे तथा उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर फर्जी फर्म तैयार कर विभिन्न निजी बैंकों में करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे। इन खातों को बाद में गिरोह द्वारा अपने नियंत्रण में लेकर सायबर ठगी एवं अन्य आनलाईन बैटिंग गतिविधियों से प्राप्त राशि के लेन-देन एवं सर्कुलेशन के

लिए म्यूल अकाउंट के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

13 अगस्त को थाना मकरोनिया में फरियादी रोहित पिता रूपराज पटेल द्वारा लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई कि उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उसके नाम से फर्जी फर्म बनाई गई तथा उसके आधार पर फेडरल बैंक, शाखा मकरोनिया में करंट अकाउंट खुलवाया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मकरोनिया पुलिस द्वारा संबंधित बैंक खाते का तत्काल परीक्षण एवं विश्लेषण कराया गया। बैंक खाते के प्रारंभिक विश्लेषण में सामने आया कि फरियादी के नाम से ग्लैमर इंटरप्राइजेस नामक फर्म तैयार कर फेडरल बैंक में उसके नाम से करंट अकाउंट खुलवाया गया तथा फरवरी 2026 से अब तक लगभग 06 माह की अवधि में करीब 90 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सोलंकी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी मकरोनिया नितिन पाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर खाते में हुए लेन-देन, संबंधित फर्मों, बैंक खातों एवं तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया तथा आरोपियों की गिरफ?तारी हेतु अलग टीम गठित की गई।

पूछताछ में सामने आया गिरोह का पूरा नेटवर्क

प्रारंभिक विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा आरोपी धर्मेन्द्र नाहर एवं सोनू दांगी को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से सूक्ष्मता एवं गहनता पूछताछ पर पता चला कि उसने यह कार्य अमित विश्वकर्मा निवासी भोपाल से मुंबई में सीखा था। अमित विश्वकर्मा की गिरफ्तारी पर पता चला कि ऑनलाइन गेमिंग एवं बैटिंग से प्राप्त राशि के सर्कुलेशन के लिए बैंक खातों की आवश्यकता होती है। उसके बाद धर्मेन्द्र नाहर ने अपने सागर के स्थानीय साथी सोनू दांगी तथा सरमन उर्फ शुभम रैकवार निवासी खजुराहो, विपिन गिरी एवं स्वर्णेन्द्र पांडे निवासी भोपाल के साथ मिलकर बेरोजगार व्यक्तियों को पैसों का लालच देकर उनके नाम से फर्जी फर्में तैयार कर निजी बैंकों में बैंक खाते खुलवाना शुरू किया। पूछताछ में यह तथ्य आया कि आनलाईन बेटिंग में उसका मित्र रिषभ पटेल निवासी भोपाल बैटिंग का संचालन करता है। तत्काल अलग से टीम भेज कर रिषभ पटेल को तलाश कर उसकी गिरफ्तारी की गई और रिषभ के कब्जे से आनलाईन बैटिंग का 2,69,42,700 रुपये नगदी, करीब 30 लाख का सोना व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुये है। रिषभ से गहनता से पूछताछ पर पूरी संदिग्ध गतिविधि एवं आनलाईन बेटिंग का विस्तृत खुलासा हुआ जिसने बताया कि वह भोपाल से वेबसाईट से आनलाईन बैटिंग खिलाता था फर्जी फर्मों के खाता को उपयोग कर पैसा आनलाईन ट्रासफर कर नगदी निकाल लेता था। इसके लिए उसने टेलीग्राम के माध्यम से ग्राहकों की एक ग्रुप के माध्य?म से चैन बना रखी थी जिसके माध्यम से वो ग्राहकों को अपने ऑनलाइन सट्टे के पेनल में एडमिन बनकर ग्राहकों को लिंक एयर क्रेडिट कॉइन भेजकर ऑनलाइन बेटिंग करवाता था। गिरफ्तारशुदा आरोपी अमित विश्वकर्मा और रिषभ पटेल का 8 दिन का रिमांड प्राप्त किया हैं जिनसे उक्त नेटवर्क के सम्बन्ध में अन्य सहयोगियों के समबन्ध में पूछताछ की जा रही हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से प्राप्त जानकारी एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अब तक 30 से अधिक फर्जी फर्मों का पता लगाया गया है। इन फर्मों के नाम से विभिन्न निजी बैंकों में खाते खोले गए तथा इनका उपयोग संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के लिए किया गया।

न्यूज विंडो

भारी बारिश में गिरा देवरी निजाम स्कूल का जर्जर भवन, पहले से बंद थीं कक्षाएं

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में तेज बारिश के बीच देवरी निजाम स्थित शासकीय स्कूल का जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन अचानक गिर गया। भवन गिरने की घटना के दौरान वहां किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। राहत की बात यह रही कि उक्त भवन में पहले से ही कक्षाएं संचालित नहीं की जा रही थीं, जिससे किसी छात्र या शिक्षक के प्रभावित होने की स्थिति नहीं बनी। बताया गया कि स्कूल परिसर में स्थित यह भवन काफी समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में था। भवन की स्थिति को देखते हुए उसमें विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाना पहले ही बंद कर दिया गया था। शुक्रवार-शनिवार की रात क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण भवन की कमजोर संरचना और अधिक प्रभावित हुई, जिसके चलते वह भरभराकर गिर गया। घटना के संबंध में प्रधानाध्यापक अनिल खरे ने बताया कि जो भवन गिरा है, वह पहले से ही क्षतिग्रस्त था। उसकी जर्जर स्थिति को देखते हुए उसमें कक्षाएं संचालित नहीं की जा रही थीं। शुक्रवार-शनिवार की रात हुई भारी बारिश के बाद भवन गिर गया। भवन गिरने के बाद स्कूल प्रबंधन एवं स्थानीय लोगों ने मौके का जायजा लिया। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। स्कूल प्रबंधन की ओर से क्षतिग्रस्त भवन के मलबे को हटाने तथा परिसर को सुरक्षित रखने की आवश्यकता जताई गई है, ताकि विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को किसी प्रकार का खतरा न रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम को देखते हुए विद्यालय परिसर में मौजूद अन्य जर्जर संरचनाओं का भी निरीक्षण किया जाना जरूरी है।

अमझेरा के प्रसिद्ध नानादेवी मंदिर में हुई चोरी का पर्दाफाश

3 शातिर बदमाश गिरफ्तार, 2 की तलाश जारी, लाखों के चांदी के आभूषण बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

अमझेरा क्षेत्र अंतर्गत चालनी रोड स्थित तंबोली समाज के प्रसिद्ध नानादेवी मंदिर में हुई सनसनीखेज चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय/क्षेत्रीय स्तर पर सक्रिय शातिर गिरोह के तीन आरोपियों को धरदबोचा, जबकि उनके दो अन्य साथी फरार हैं। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर माताजी का चांदी का मुकुट, छत्र, कुण्डल और नाग-नागिन के जोड़े सहित करीब 2 लाख 30 हजार मूल्य का मशरूका बरामद कर लिया गया है।

24 जुलाई को फरियादी कांतिलाल मोदी निवासी भैरू मोहल्ला, अमझेरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाशों ने हरदम लाला मंदिर के सामने स्थित नानादेवी मंदिर के चैनल गेट और दरवाजे के ताले तोड़कर माताजी का चांदी का मुकुट, कुंडल, तीन छत्र, दो जोड़े नाग-नागिन, पीतल की मूर्तियां और सीसीटीवी की 17 इंच एलईडी स्क्रीनन चोरी कर ली है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज़ कर जांच शुरू की थी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम ने गोपनीय सूचना तंत्र और साइबर सेल की मदद से संदेही समीर पिता बहादुर मंडलोई, संजय पिता हिंदु मेड़ा और सुरेश पिता रतनसिंह मंडलोई सभी निवासी थाना बाग क्षेत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों–रवि उर्फ रविन्द्र भील पिपरी और महेन्द्र भुरिया नाहवेल के साथ मिलकर बाइक से अमझेरा आकर लोहे की टांमी से ताले तोड़कर चोरी करना स्वीकार किया।

चांदी के नाग-नागिन के 2 जोड़े भी किए बरामद

आरोपियों से चांदी का 1 मुकुट, चांदी के कान के कुण्डल, चांदी के 3 छत्र एक बड़ा व दो छोटे, चांदी के नाग-नागिन के 2 जोड़े एक बड़ा व एक छोट कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 30 हजार बरामद किए गए है।

आरोपियों पर दर्ज हैं कई संगीन मामले

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। समीर के विरुद्ध 9, संजय के विरुद्ध 8 और सुरेश के विरुद्ध 3 आपराधिक प्रकरण बाग, मनावर, सरदारपुर, पीथमपुर और सेक्टर-1 थानों में दर्ज हैं। आरोपियों ने माह मई में आगर घाटी बाग में एक दंपति को फालिया अड़ाकर चांदी की तागली लूटने की वारदात भी स्वीकार की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजू मकवाना, उपनिरीक्षक दिलीप खाण्डे, रमेशचन्द्र डामोर, सउनि दिवाकरसिंह बैस, आरक्षक लालसिंह, रमेशचन्द्र, राहुल, नीरज जाट तथा साइबर टीम के आरक्षक प्रशांत चौहान व शुभम शर्मा सहित पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है

दो साल के मासूम की शौचालय के गड्ढे में डूबने से मौत, छाया मातम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बमनौदा के आश्रित ग्राम डहरा में बीते दिन करीब ढाई बजे शौचालय निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान महेंद्र गोंड पिता मोहन गोंड, उम्र 2 वर्ष, निवासी डहरा थाना तारादेही के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार घर में शौचालय निर्माण के लिए करीब पांच फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। घटना के समय मासूम के माता-पिता खेत में काम करने गए थे, जबकि घर पर उसकी बड़ी बहन थी। दोपहर करीब 2:30 बजे जब काफी देर तक महेंद्र दिखाई नहीं दिया तो उसकी बड़ी बहन ने आसपास उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान शौचालय के गड्ढे में बच्चे की चप्पल तैरती दिखाई दी। जानकारी मिलते ही महेंद्र के चाचा सुनील गोंड गड्ढे में उतरे और तलाश करने पर मासूम को पानी में मृत अवस्था में बाहर निकाला और घटना की सूचना तारादेही पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि तीन महीने पहले ही 12 हजार रूपए के सरकारी शौचालय के निर्माण कार्य के लिए सैप्टिक टैंक का गड्ढा खोदा गया था लेकिन तीन महीने

बीतने के बाद भी शौचालय का निर्माण कार्य नहीं कराया जा सका और गड्ढा खुला छोड़ दिया जिसके कारण आज एक मासूम की लापरवाही के चलते जान चली गई अगर समय रहते गड्ढे को को बंद कर दिया होता और शौचालय निर्माण कार्य हो जाता तो एक मासूम की जान बच जाती। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के शवगृह में रखवाया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई रविवार सुबह की जाएगी। घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जूनागढ़ के परिवार से घाट पर मारपीट कर लूटे थे गहने, नकदी और दस्तावेज

माछलिया घाट डकैती के 4 आरोपियों को 5-5 साल की सजा, कोर्ट ने अर्थदंड भी लगाया

धार। दोपहर मेट्रो

राजगढ़ थाना पुलिस की कोर्ट में प्रभावी पैरवी के आधार पर अपर सत्र न्यायालय सरदारपुर ने माछलिया घाट डकैती कांड के चारों आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने प्रत्येक आरोपी को 5-5 वर्ष के कठोर कारावास और एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

घटना 21 मई 2025 की देर रात की है। गुजरात के जूनागढ़ ग्राम केशोद निवासी फरियादी मुकेश अपने परिवार के साथ टवेरा वाहन से इंदौर जा रहे थे। रात करीब डेढ बजें बजे माछलिया घाट के पास सड़क पर पड़े पत्थर से वाहन टकराकर बंद हो गया। जब परिजन गाड़ी की जांच करने नीचे उतरे, तभी हथियारों से लैस छह बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने हथियारों के बल पर फरियादी की बेटी से सोने की चेन, कान की बाली, अंगूठी और पर्स में रखे 35 हजार नगद लूटे। साथ ही महिला के सोने के कंगन, कान की बालियां और गाड़ी में रखे 5 बैग, कपड़े, मोबाइल फोन सहित आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेज भी छीन लिए। वारदात के दौरान महिला और उसकी पुत्री घायल भी हो गई थीं।

जंगलों से गिरफ्तारी, माल किया बरामद

फरियादी की रिपोर्ट पर राजगढ़ पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर माछलिया घाट के घने जंगलों से घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया और लूटा गया मशरूका बरामद किया था। राजगढ़ पुलिस की कोर्ट में प्रभावी पैरवी के आधार पर हमीस पिता फत्तू मछार, मोहन पिता अनसिंह, संजय पिता पान सिंह, बाल सिंह पिता बेल सिंह सभी निवासियों को सजा सुनाकर अर्थदंड से दंडित किया है।

30 फीसदी तक बढ़े राखियों के दाम

खंडवा। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस बार महंगाई की मार से अछूता नहीं है। भाईयों की कलाई पर सजने वाली राखियों के दाम इस बार 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। बाजार में कुछ आकर्षक और डिजाइनर राखियां पिछले साल की तुलना में करीब दोगुने दाम में बिक रही हैं। राखी व्यवसायियों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और चीन से कॉटन धागे की आपूर्ति प्रभावित होने का असर राखी की कीमतों पर पड़ा है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम TAMRIN SHAIKH है जो मेरे मार्कशीट मैं है । किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर TAMREEN BEE हो गया है। जो कि मेरे सभी दस्तावेज में है। अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम TAMREEN BEE से ही जाना पहचाना जाए।

ADDRESS :ग्राम काजी पलासिया खुर्द़ैल इंदौर मप्र

मेट्रो एंकर

पांच दिवसीय यात्रा में मंत्री-सांसद कांवड़ियों के साथ झूमे

पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा का संदेश देती आगे बढ़ रही कांवड़ यात्रा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जबेरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी के नेतृत्व में निकाली जा रही पांच दिवसीय कांवड़ यात्रा में शनिवार को श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यात्रा में मंत्री, सांसद एवं भाजपा पदाधिकारी कांवड़ियों के साथ कदमताल करते और भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने भी कांवड़ियों के साथ उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। पंचवटी धाम,

भेड़ाघाट से प्रारंभ हुई 121 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा विभिन्न पड़ावों से होकर देव श्री जागेश्वर नाथ धाम, बांदकपुर पहुंचेगी। यात्रा के तृतीय दिवस तेंदूखेड़ा से कांवड़ियों ने अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान किया। यात्रा दोपहर में सांगा पहुंची, जहां बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए सहभोज का आयोजन किया गया। सहभोज में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और इसके बाद यात्रा पुनः अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई। कांवड़ यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ा गया है। सुबह यात्रा सबसे पहले बम्हौरी पांजी पहुंची, जहां श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांवड़ यात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने पौधे रोपकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इसी दौरान पीएम श्री शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बम्हौरी पांजी के छात्र-छात्राओं को निशुल्क स्कूली सामग्री का वितरण किया गया। विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी दिखाई दी। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा को बढ़ावा देना यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना गोविंदपुरा भोपाल म.प्र

क्र. / था.प्र/गोविं/अप.क्रमांक 732/26 दिनांक 15/08/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15/08//26 को फरियादी दिलीप वाल्मिक पिता हरद्वारी वाल्मिक उम्र 45 साल निवासी म.नं. 1324 एन-2 बी/से गोविंदपुरा भोपाल एमो. 7470871162 ने थाना उपस्थित आकर जुबानी रिपोर्ट किया कि में उपरोक्त लिखाये पते पर निवास करता हूं तथा बोर्ड ऑफिस से कोलार तक सवारी आटो चलाने का काम करता हूँ कि आज दिनांक 15/08/2026 को

में सुबह 06.00 बजे अपना आटो लेकर काम पर निकल गया था तथा मेरी पत्नी रीना भी अपने काम पर चली गयी थी घर में मेरी बहू रतन वाल्मिक व बेटी मुस्कान वाल्मिक घर में थी बहू ने मुझे घर पर बुलाकर बाद में बताया कि मुस्कान वाल्मिक सुबह करीबन 9.30 बजे किसी से फोन पर बात कर रही थी मैने कहा कि तुम किससे बात कर रही हो। मम्मी पापा को घर आने दो मैं उन्हें बताऊंगी तभी मैं पीछे के दरवाजे से किसी को मुझे फोन लगवाने गयी उसके बाद करीबन 10.00 बजे मैने देखा कि मुस्कान ने घर के सामने के दरवाजे की कुंडी बाहर से बंद करके कही चली गयी है। जब मैं घर आया सारी बात मुझे मेरी बहु ने बताया। फिर मैने व मेरे बेटे मिथुन ने मेरी बेटी मुस्कान वाल्मिकी की तलाश सभी रिस्तेदारों से फोन लगाकर व आसपास सभी सम्भावित स्थानों पर किया नहीं मिलने पर बेटे मिथुन के साथ थाने रिपोर्ट करने आया हूं। मुझे शंका है कि मेरी बेटी मुस्कान वाल्मिक जो कि नाबालिग है उसको कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया है मेरी बेटी मुस्कान वाल्मिक का हुलिया सफेद टीशर्ट, ब्लैक जींस पेंट, पैरों में सिलीपर पहने है तथा वांये हाथ पर अंग्रेजी में मुस्कान गुदा है चेहरा लम्बा रंग साफ है। रिपोर्ट करता हूँ कार्यवाही की जावे कि रिपोर्ट एवं माननीय उच्चतम न्यायालय दिल्ली के आदेश के पालन में अज्ञात आरोपी के विरूध्द अपराध धारा 137(2) BNS का पंजीबध्द कर अनुसंधान मे लिया गया। कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 732/26 धारा 137(2) बीएनएस पंजीवध्द कर जाँच में लिया गया।

अपहत वालिका का हुलिया - सफेद टीशर्ट, ब्लैक जींस पेंट, पैरों में सिलीपर पहने है तथा वांये हाथ पर अंग्रेजी में मुस्कान गुदा है चेहरा लम्बा रंग साफ है।

अतः अपहत वालिका मुस्कान की तलाश के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया थाना गोविंदपुरा भोपाल मोवाइल नंवर 7049105418 व अनुसंधान अधिकारी रामदयाल गंगवार मोवाइल नंवर 7701017792 पर सूचित करने का कष्ट करे।

जी-17490/26

थाना प्रभारी
थाना गोविंदपुरा भोपाल म.प्र.

एशियन गेम्स में भी होंगी पदक की उम्मीद

त्रिशा और गायत्री की इस सफलता ने आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए भी उम्मीदें बढ़ा दी हैं। दोनों खिलाड़ी 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम का हिस्सा हैं। विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन और कांस्य पदक जीतने के बाद उनसे एशियन गेम्स में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारतीय प्रशंसकों की नजर अब इस जोड़ी पर रहेगी कि वह अगले बड़े मंच पर देश के लिए पदक का रंग और चमका सके।

विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर भारतीय जोड़ी ने बढ़ाया देश का गौरव

फाइनल से एक कदम दूर रह गईं त्रिशा-गायत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में शनिवार को भारतीय बैडमिंटन ने इतिहास का नया अध्याय लिखा। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भले ही विश्व चैंपियनशिप 2026 के फाइनल की दहलीज पर रुक गई, लेकिन कांस्य पदक जीतकर उन्होंने देश की महिला डबल्स को 15 साल बाद फिर विश्व मंच पर गौरव दिलाया। विश्व नंबर-1 चीन की लियू शेंगशु और टैन निंग के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने बेखौफ अंदाज में पहला गेम जीतकर अपने इरादे साफ कर दिए। बाद में मुकाबला हाथ से निकल गया, लेकिन त्रिशा-गायत्री की जुझारू खेल भावना और ऐतिहासिक पदक ने करोड़ों भारतीयों को गर्व से भर दिया।

करीब एक घंटे 11 मिनट तक चले सेमीफाइनल में त्रिशा और गायत्री को 21-18, 13-21, 8-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। हार के बावजूद भारतीय जोड़ी के खाते में कांस्य पदक आया, जो महिला डबल्स में देश के लिए लंबे अंतराल के बाद बड़ी उपलब्धि है।

पहले गेम में दिखाया जबरदस्त आत्मविश्वास

घरेलू दर्शकों की जोरदार हौसलाअफजाई के बीच भारतीय खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। दोनों ने तेज रैलियों और सटीक शॉट्स के जरिए चीनी जोड़ी पर दबाव बनाया। एक समय लियू शेंगशु और टैन निंग ने 18-16 की बढ़त बना ली थी और लग रहा था कि वे पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लेंगी। लेकिन त्रिशा और गायत्री ने इस स्थिति में शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पांच अंक हासिल कर मुकाबले का रुख पलट दिया और 21-18 से पहला गेम जीतकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को जश्न मनाने का मौका दिया।

दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने बदली रणनीति

दूसरे गेम की शुरुआत में भी भारतीय जोड़ी ने चीन की नंबर एक टीम को कड़ी टक्कर दी। 12-12 तक दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला बराबरी का रहा। इसके बाद चीनी खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया। उन्होंने रैलियों को छोटा रखने के साथ भारतीय जोड़ी को लगातार दबाव में रखा। त्रिशा और गायत्री को अंक जुटाने में परेशानी हुई और चीन की जोड़ी ने तेजी से बढ़त हासिल कर दूसरा गेम 21-13 से अपने नाम कर लिया। मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंच गया।

15 साल बाद भारत को पदक

सेमीफाइनल में हार के बावजूद त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है। वे विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली भारत की दूसरी महिला डबल्स जोड़ी बन गई हैं। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। इस तरह भारतीय महिला डबल्स को करीब 15 साल बाद विश्व स्तर पर फिर पदक मिला है।

इतनी डरी-सहमी पाकिस्तानी टीम नहीं देखी...

लीड्स में बेइज्जती के बाद धोया वॉन ने, रमीज राजा ने भी लताड़ा

लीड्स, एजेंसी

लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पारी और 103 रन से मिली करारी हार ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। हेडिंग्ले में पाकिस्तानी टीम पूरे मुकाबले में कहीं भी इंग्लैंड को टक्कर देती नजर नहीं आई। अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस प्रदर्शन पर टीम को आड़े हाथों लिया है, जिसने पाकिस्तान क्रिकेट की हालत पर नई बहस छेड़ दी है। वॉन ने कहा कि उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में इससे ज्यादा कमजोर और डरी-सहमी पाकिस्तानी टीम नहीं देखी। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने भी टीम की स्थिति पर चिंता जताई है। हेडिंग्ले में खेला गया पहला टेस्ट मुश्किल से तीसरे दिन के टी ब्रेक तक पहुंच सका। तीसरे दिन बारिश के कारण करीब आधे दिन का खेल जरूर प्रभावित हुआ, लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड ने मैच को टी ब्रेक से पहले ही खत्म कर दिया। पहली पारी में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई थी। इसके बाद उम्मीद थी कि दूसरी पारी में टीम वापसी करेगी और इंग्लैंड को चैलेंज देगी। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने एक बार फिर सरेंडर कर दिया। पूरी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 37।3 ओवर खेल सकी और 135 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह इंग्लैंड ने पारी और 103 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के इस प्रदर्शन ने माइकल वॉन को भी हैरान कर दिया। BBC के टेस्ट मैच स्पेशल पॉडकास्ट पर बात करते हुए पूर्व इंग्लिश कप्तान ने पाकिस्तान की जमकर आलोचना की। वॉन ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे क्रिकेट करियर में इतनी कमजोर और डरी हुई पाकिस्तानी टीम नहीं देखी।

वॉन ने यह भी कहा कि उन्हें इस तरह पाकिस्तान को खेलते देखकर दुख हुआ। उन्होंने कई पाकिस्तानी टीमों को खेलते देखा है, लेकिन इस टीम में वह जज्बा और फाइटिंग स्पिरिट नजर नहीं आई, जिसके लिए पाकिस्तान की टीमें लंबे समय से जानी जाती रही हैं।

रमीज राजा ने भी दिखाई पाकिस्तान क्रिकेट को तस्वीर

माइकल वॉन अकेले ऐसे पूर्व क्रिकेटर नहीं हैं जिन्होंने पाकिस्तान के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने भी टीम की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। रमीज के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट का सबसे पहला और महत्वपूर्ण स्तंभ उसके फैन्स हैं, लेकिन अब यही फैन्स टीम से निराश हो चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब टीम लगातार इस तरह का प्रदर्शन करेगी तो आखिर फैंस उसका समर्थन क्यों करेंगे? रमीज ने पाकिस्तान के टेस्ट रिकॉर्ड का भी जिक्र किया। 2023 के बाद से पाकिस्तान ने सिर्फ 5 टेस्ट मैच जीते हैं। इनमें से 4 जीत उसे अपने घरेलू मैदान पर मिली हैं। इन जीतों में एक पैटर्न भी दिखाई देता है। पाकिस्तान ने स्पिन गेंदबाजी पर काफी ज्यादा निर्भरता दिखाई है। यानी जिस टीम की पहचान कभी तेज गेंदबाजी के लिए होती थी, उसका फोकस अब स्पिन पर ज्यादा नजर आ रहा है।

आईपीएल की पांच चैंपियन मुंबई इंडियंस ने बदली रणनीति

युवा प्रतिभाओं को तराशने वाले भरूचा संभालेंगे हाई-परफॉर्मेंस और प्लेयर डेवलपमेंट सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अगले सत्र से अपनी टीम के सपोर्ट स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ लंबे समय तक काम कर चुके जुबिन भरूचा को डायरेक्टर ऑफ परफॉर्मेंस नियुक्त किया है। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। भरूचा अब टीम के हाई-परफॉर्मेंस और खिलाड़ी विकास से जुड़े ढांचे को मजबूत करने के साथ विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

56 वर्षीय जुबिन भरूचा का भारतीय क्रिकेट में प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने का लंबा अनुभव है। वह 2008 से 2015 तक राजस्थान रॉयल्स के टीम डायरेक्टर रहे।

दो साल के प्रतिबंध के बाद राजस्थान की वापसी पर 2018 में उन्होंने फिर फ्रेंचाइजी के साथ काम शुरू किया और 2026 तक डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशंस समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभाईं। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों की पहचान, प्रशिक्षण और उनके दीर्घकालीन विकास के लिए तैयार किए गए राजस्थान के सिस्टम में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में कई युवा भारतीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिला।

संजू से यशस्वी तक, कई सितारों को तराशा

भरूचा की सबसे बड़ी ताकत युवा क्रिकेटरों की क्षमता पहचानने और उन्हें सही दिशा देने के लिए जानी जाती है। संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। राजस्थान के युवा प्रतिभा विकास कार्यक्रम में भी उनका योगदान रहा। हाल के वर्षों में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के तेजी से उभरने को लेकर राजस्थान के प्लेयर डेवलपमेंट सिस्टम की काफी चर्चा हुई थी। इस सिस्टम का हिस्सा रहे भरूचा का अनुभव अब मुंबई इंडियंस के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

आलोचनाओं और बाहरी शोर पर गौतम गंभीर का दो टूक जवाब

एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो , एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब- न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।

अगरकर से बातचीत में सिर्फ क्रिकेट पर फोकस- चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग को ज्यादा तवज्जो

भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है। दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

चार साल की उम्र से सुरों का सफर,

तबस्सुम बनीं सुनिधि की गॉडमदर; केबीसी में सुनाया जिंदगी बदल देने वाला किस्सा

अपनी दमदार आवाज और शानदार गायकी से संगीत की दुनिया में खास पहचान बनाने वाली सुनिधि चौहान के करियर की शुरुआत किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही। बचपन से ही संगीत के प्रति जुनून रखने वाली सुनिधि ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि दिग्गज अभिनेत्री और टीवी होस्ट तबस्सुम ने उनके सपनों को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई थी। 'कौन बनेगा करोड़पति-18' में उन्होंने अपने शुरुआती सफर से जुड़े कई अनसुने किस्से साझा किए।

शो में गीतकार प्रसून जोशी के साथ पहुंचीं सुनिधि ने बताया कि उन्होंने महज चार साल की उम्र से गाना शुरू कर दिया था। उस वक्त गायकी उनके लिए केवल शौक और जुनून थी, लेकिन धीरे-धीरे यही उनकी जिंदगी और पेशा बन गया। उन्होंने बताया कि बचपन में एक कार्यक्रम के दौरान तबस्सुम ने उन्हें गाते हुए सुना। उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर तबस्सुम ने सुनिधि को मुंबई आने के लिए कहा। यही मुलाकात आगे चलकर उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। सुनिधि के मुताबिक, तबस्सुम ने उन्हें अपने घर बुलाया और उनकी गायकी सुनी। इसके बाद उन्होंने सुनिधि को दिग्गज संगीतकार कल्याणजी से मिलवाया। उस दौर को याद करते हुए सुनिधि ने बताया कि शुरुआती दिन आसान नहीं थे और उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। कल्याणजी ने भी उनकी प्रतिभा को गंभीरता से लिया। सुनिधि ने बताया कि उन्होंने केवल एक-दो गीत नहीं सुने, बल्कि करीब आधे से पौने घंटे तक उनके कई गाने सुने। इसके बाद उन्होंने सुनिधि को प्रोत्साहित किया और संकेत दिया कि अब उनका सफर दिल्ली लौटने वाला नहीं है।

अमिताभ के साथ सुरों की जुगलबंदी

एपिसोड में सुनिधि चौहान ने सिर्फ अपने संघर्ष की कहानी ही नहीं सुनाई, बल्कि एक यादगार संगीत पल भी बनाया। उन्होंने अमिताभ बच्चन से लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे' की कुछ पंक्तियां गाने का आग्रह किया। अमिताभ बच्चन ने उनकी फरमाइश स्वीकार कर ली और अपनी खास आवाज में गीत गाया। सुनिधि ने भी उनके साथ सुर मिलाए। दोनों की यह जुगलबंदी देखते ही स्टूडियो का माहौल खुशनुमा हो गया। सुनिधि की कहानी यह बताती है कि प्रतिभा के साथ सही समय पर मिला मार्गदर्शन किसी कलाकार की पूरी जिंदगी बदल सकता है। तबस्सुम की एक पहल ने सुनिधि को मुंबई और कल्याणजी तक पहुंचाया और यहीं से उनके बड़े संगीत सफर की नींव मजबूत हुई।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। आईएएनएस ने अभिनेत्री से सवाल किया, शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?

मेट्रो बाजार

पाम तेल बढ़ाएगा महंगाई, कम उत्पादन से कीमतें रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में शामिल पाम ऑयल की कीमतों में तेज उछाल ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़े उत्पादक इंडोनेशिया की बायोडीजल नीति और दक्षिण-पूर्व एशिया में सूखे मौसम व उत्पादन को लेकर बढ़ती आशंकाओं के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम तेल की कीमतें करीब 20 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे वैश्विक बाजार में तेजी का माहौल बन गया है। इसका सबसे बड़ा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 58-60 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। आंकड़ों के अनुसार, तेल वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 1.63 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात किया, जिसमें पाम तेल की हिस्सेदारी लगभग 90 लाख टन रही। इंडोनेशिया और मलयेशिया भारत के लिए पाम तेल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है और अपनी कुल जरूरत का करीब 60त्न हिस्सा विदेशों से मंगाता है। जुलाई 2026 में भारत का खाद्य तेल आयात 10 महीने के उच्च स्तर 14.8 लाख टन पर पहुंच गया, जिसमें अकेले पाम तेल का आयात करीब 7.31 लाख टन रहा। उत्पादन घटने या कीमतें बढ़ने का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ना तय है। पाम तेल केवल रसोई तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग बिस्कुट, नमकीन, बेकरी उत्पादों, रेस्तरां उद्योग, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, कॉस्मेटिक्स में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

विदेशी निवेशकों ने बदली चाल, भारतीय बाजार में वित्तीय और ऑटो शेयरों पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं और बदलते बाजार परिदृश्य के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी निवेश रणनीति में तेजी से बदलाव किया है। एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 1 से 15 अगस्त, 2026 के दौरान कुल शुद्ध प्रवाह बढ़कर 16,618 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले पखवाड़े (16-31 जुलाई) के 4,642 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है।

विदेशी निवेशकों ने अब भारी कर्ज और लंबे निवेश चक्र वाले पूंजी-गहन क्षेत्रों से पैसा निकाला है। इसके बजाय, उन्होंने उच्च-तरलता, स्थिर नकदी प्रवाह और रक्षात्मक अपील वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है। इनमें वित्तीय, ऑटो और उपभोक्ता शेयर प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस बदलाव से भारतीय बाजार में इन क्षेत्रों में मजबूत खरीदारी का रुख देखने को मिला है। हालांकि, दूरसंचार जैसे कुछ क्षेत्रों से निवेशकों का मोहभंग जारी है। अगस्त के पहले पखवाड़े में वित्तीय क्षेत्र विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बना। जुलाई के दूसरे पखवाड़े में 2,669 करोड़ रुपये निकालने के बाद, अगस्त की शुरुआत में उन्होंने 6,535 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह कुल क्षेत्रीय प्रवाह का लगभग 40 फीसदी है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र पर लंबे समय से बना बिकवाली का दबाव अब हल्का हो गया है। विदेशी निधियां दोबारा इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। इससे पहले मार्च से मई के दौरान इस क्षेत्र से 12,303 करोड़ रुपये की भारी निकासी हुई थी। विदेशी निवेशकों ने ऑटो शेयरों में अपनी खरीदारी लगभग दोगुनी कर दी है, जो 4,405 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पिछले पखवाड़े में यह 2,372 करोड़ रुपये थी। घरेलू खपत के दम पर उपभोक्ता सेवाओं में 3,398 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज हुआ।

बादलों के बीच दिखा चिनाब रेल पुल का शानदार नजारा

रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी में बादलों से घिरे मौसम के बीच दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब रेल ब्रिज का मनमोहक नजारा देखने को मिला। 359 मीटर ऊंचा यह पुल जम्मू-कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण कड़ी है और अपनी शानदार इंजीनियरिंग के लिए दुनियाभर में पहचान बना चुका है। बारिश के मौसम में गुरुवार को रेलवे ने इस रेल मार्ग पर वंदे भारत को 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने की अनुमति दे दी। बादलों और पहाड़ों के बीच पुल से गुजरती तेज रफ्तार ट्रेन का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया।

इसरो प्रमुख बोले-रिसर्च के आंकड़े सही नहीं, सिर्फ एक पैमाने से नहीं तय होती लॉन्चिंग की कीमत

कैम्ब्रिज, ट्यूरिन की रिपोर्ट में दावा... भारत का रॉकेट लॉन्च सबसे महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता और कम लागत वाले अंतरिक्ष मिशनों के लिए चर्चित भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर कैम्ब्रिज और ट्यूरिन यूनिवर्सिटी के एक नए अध्ययन ने सवाल खड़े किए हैं। इकोनॉमिक्स लेटर्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, प्रति किलोग्राम पेलोड लॉन्च लागत के आधार पर भारत प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे महंगा है। अध्ययन में भारत की लागत 13,302 डॉलर प्रति किलोग्राम बताई गई है।

हालांकि, इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अध्ययन को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इसमें गलत आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने भी कहा कि केवल प्रति किलोग्राम लागत के आधार पर लॉन्च सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मकता तय करना उचित नहीं है। उनका कहना है कि मिशन की क्षमता, रॉकेट की तकनीक और अन्य खर्चों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

रिपोर्ट को इसरो ने किया खारिज, उठाए सवाल

क्या है कैम्ब्रिज-ट्यूरिन की स्टडी

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री एलेसिओ टेरजी और इटली के पॉलिटेक्निको डी टोरिनो के फ्रांसेस्को निकोली ने 1960 से 2025 के बीच हुए 6,740 से अधिक रॉकेट प्रक्षेपणों का विश्लेषण किया। शोध के मुताबिक 2025 में वैश्विक औसत लॉन्च लागत 3,868 डॉलर प्रति किलोग्राम रही, जबकि अमेरिका में 3,225 डॉलर, जापान में 5,287 डॉलर, चीन में 5,809 डॉलर, रूस में 6,682 डॉलर और यूरोप में 9,897 डॉलर थी। अध्ययन में भारत की लागत सबसे अधिक 13,302 डॉलर प्रति किलोग्राम बताई गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह निष्कर्ष भारत के मितव्ययी अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रचलित धारणा के विपरीत है।

इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने शोध के निष्कर्षों को खारिज करते हुए कहा कि रिपोर्ट में पेश किए गए आंकड़े सही नहीं हैं। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया कि अध्ययन के किन डेटासेट या गणनाओं में त्रुटि है। इसरो का पक्ष है कि भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की लागत का आकलन केवल एक पैमाने से नहीं किया जा सकता। अलग-अलग रॉकेटों की क्षमता, मिशन की प्रकृति, तकनीकी जटिलता और प्रक्षेपण से जुड़े अन्य खर्चों को शामिल किए बिना प्रति किलो लागत की सीधी तुलना भ्रामक हो सकती है। इसलिए इस अध्ययन के बाद लॉन्च अर्थशास्त्र को मापने के तरीकों पर नई बहस शुरू हो गई है।

सोमनाथ ने निष्कर्षों पर जताई असहमति

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने भी कैम्ब्रिज अध्ययन के निष्कर्षों पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि लॉन्च की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को समझने के लिए केवल प्रति किलोग्राम पेलोड लागत पर्याप्त पैमाना नहीं है। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि 4.5 टन के एक उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए भारत ने एक अमेरिकी कंपनी को लगभग उतना ही शुल्क दिया, जितना अपने लॉन्च व्हीकल मार्क-3 मिशन पर खर्च होता है। उनके अनुसार यह तुलना बताती है कि भारतीय लॉन्च सेवाएं वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद से अंतरिक्ष क्षेत्र में लागत मापने की पद्धति पर नई चर्चा तेज हो सकती है।

हिमाचल में मानसून का कहर

149 सड़कें बंद, 224 की हुई मौतें, अब तक राज्य को 1121 करोड़ का नुकसान

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर लगातार जारी है। भारी बारिश के कारण प्रदेश में सड़क, बिजली और पेयजल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) की 23 अगस्त सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 149 सड़कें बंद, 60 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर बाधित और 35 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

सबसे ज्यादा सड़कें मंडी जिले में 86 बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू में 31, शिमला में 10, चंबा में 8, कांगड़ा में 8, ऊना में 4, बिलासपुर में 1 और लाहौल-स्पीति में 1 सड़क बंद है। किन्नौर, सिरमौर और सोलन में फिलहाल कोई सड़क बंद नहीं बताई गई है। बिजली व्यवस्था की बात करें तो मंडी में 25 और चंबा में 20 डीटीआर बाधित हैं। शिमला में 11,

कांगड़ा में 3 और कुल्लू में 1 डीटीआर प्रभावित है। वहीं, पेयजल योजनाओं में हमीरपुर की 30 योजनाएं, शिमला की 4 और कांगड़ा की 1 योजना प्रभावित है। एसईओसी की 30 जून से 22 अगस्त 2026 तक की संचयी रिपोर्ट के अनुसार मानसून सीजन में अब तक 224 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 330 लोग घायल हुए हैं और एक व्यक्ति लापता है। इनमें 91 मौतें आपदा से जुड़ी घटनाओं में और 133 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। प्रदेश में मानसून से अब तक कुल 1,12,129.57 लाख रुपये यानी करीब 1,121.30 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया है।

ईरान बोला- होर्मुज तभी खुलेगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा और किए गए वादे पूरे करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया है।

रेजाई ने कहा कि अमेरिका पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करे, उसके बाद ही होर्मुज खोलने पर बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया अमेरिकी इलाका बताया गया है। ट्रम्प इससे पहले 18 अगस्त को भी होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने की बात कह चुके हैं। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज किया है।

रेजाई बोले- ट्रम्प के हमले से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ सकती है

रेजाई ने कहा कि ट्रम्प के ईरान पर हमले से दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर डर और बढ़ गया है। उनका कहना है कि अब दूसरे देशों को भी लग सकता है कि बिना परमाणु हथियार के वे सुरक्षित नहीं हैं। रेजाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का सदस्य है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक अपने परमाणु कार्यक्रम की जांच भी कराता रहा है। इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया के दूसरे देशों में परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा बढ़ सकती है। रेजाई के मुताबिक, अमेरिका की कार्रवाई ने परमाणु सुरक्षा मजबूत करने के बजाय उल्टा खतरा बढ़ा दिया है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों से की भेंट

नई दिल्ली. एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में अपने निवास पर मध्यप्रदेश से नवनियुक्त भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से सौजन्य भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र पटेल, राष्ट्रीय मंत्री कविता पाटीदार, प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णुदत्त शर्मा, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर एवं राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक आशीष उषा अग्रवाल को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी।

न्यूक्लियर पावर प्लांट में तैनात सीआईएसएफ जवान की गोली लगने से मौत

जयपुर. एजेंसी। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित न्यूक्लियर पावर प्लांट में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान की गोली लगने से मौत हो गई। जवान प्रमिर सरकार (25 वर्ष) के सीने में गोली उन्हीं की सर्विस राइफल से लगी। पुलिस के अनुसार, जवान ने आत्महत्या की या फिर किसी अन्य कारण से सर्विस राइफल से गोली चली, इसका जानकारी जांच के बाद पता चल सकेगी। जवान प्लांट की आवासीय कालोनी में रहता था। बंगाल निवासी प्रमिर घटना के समय प्लांट में रिएक्टर भवन के बाहर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे।

मेट्रो एंकर | आईआईटी मद्रास की 'इंटेलीसीट' थकान पहचानकर करेगी अलर्ट

गाड़ी चलाते हुए आई नींद तो सीट खुद जगाएगी ड्राइवर को

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबी दूरी की ड्राइविंग के दौरान नींद और थकान सड़क हादसों की बड़ी वजह बन सकती है। खासकर ट्रक और बस चालकों के लिए एक छोटी-सी झपकी भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक स्मार्ट ड्राइवर सीट विकसित की है, जो चालक के शरीर में थकान के संकेतों को पहचानकर समय रहते अलर्ट करेगी।

'इंटेलीसीट' नाम की यह तकनीक आईआईटी मद्रास के रीहैबिलिटेशन बायोइंजीनियरिंग ग्रुप ने प्रोफेसर वेंकटेश बालासुब्रमण्यम के नेतृत्व में वाहन सीट निर्माता कंपनी हरिता के साथ मिलकर विकसित की

है। देखने में सामान्य सीट जैसी यह तकनीक सेंसरों के जरिए ड्राइवर की मौजूदगी, बैठने की मुद्रा और शरीर की हलचल पर नजर रखती है। थकान बढ़ने पर सीट चरणबद्ध तरीके से चेतावनी देती है। पहले डैशबोर्ड पर संकेत, फिर आवाज और गंभीर स्थिति में सीट कंपन के जरिए चालक को सतर्क किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर मोबाइल एप के माध्यम से

हलचल बताएगी थका है ड्राइवर

वैज्ञानिकों ने मांसपेशियों की गतिविधियों को समझने में सरफेस इलेक्ट्रोमायोग्राफी (एसईएमजी) जैसी तकनीक का भी उपयोग किया है। यह मांसपेशियों से निकलने वाले हल्के इलेक्ट्रिकल सिग्नल के आधार पर थकान का अनुमान लगाने में मदद करती है। वाहन स्टार्ट होते ही सीट के सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और लगातार ड्राइवर की स्थिति का आकलन करते हैं। इससे समय रहते थकान के बढ़ते स्तर को पहचानकर हादसे का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

फ्लीट मालिक को भी सूचना मिल सकेगी। खास बात यह है कि इसे अलग-अलग वाहनों में बिना मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में बदलाव के लगाया जा सकता है।

पहले लाइट, फिर आवाज और आखिर में कंपन का अलर्ट

इंटेलीसीट में चेतावनी प्रणाली को थकान की गंभीरता के अनुसार तैयार किया गया है। शुरुआती स्तर पर डैशबोर्ड पर चेतावनी लाइट जलाकर चालक को सतर्क किया जाएगा। थकान बढ़ने पर आवाज के जरिए अलर्ट मिलेगा और स्थिति अधिक गंभीर होने पर सीट में कंपन शुरू हो जाएगा, जिससे चालक को तुरंत चेतावनी महसूस होगी। सबसे गंभीर स्थिति में इससे जुड़े मोबाइल एप के माध्यम से वाहन या फ्लीट मालिक को भी सूचना भेजी जा सकती है। फ्लीट संचालक इस डाटा के जरिए ड्राइविंग पैटर्न और जोखिम वाले मार्गों का भी विश्लेषण कर सकेंगे। इससे ड्राइवरों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

चिराग की पार्टी से विधायक अमित के घर पुलिस का छापा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

बेलसंड से चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रा.) के विधायक अमित कुमार रानू के घर पुलिस ने रेड की है। पुलिस अमित रानू के मुजफ्फरपुर स्थित घर पर आज सुबह 6 बजे पहुंची है। पिछले 3 घंटे से रेड जारी है। रेड के दौरान लोजपा विधायक अमित रानू घर में मौजूद हैं। विधायक आवास के अंदर पुलिस के वरीय अधिकारी जमीन के कागजातों को जांच पड़ताल कर रहे हैं।

पुलिस रेड के दौरान विधायक अमित रानू घर में मौजूद हैं। विधायक के मौजूदगी में तीन डीएसपी खंगाल रहे हैं। घर में मौजूद जमीन के कागजात और प्रॉपर्टी से जुड़े अन्य कागजात की जांच कर रहे हैं। लोजपा विधायक के भाई सोनू सिंह पर करीब 13 मामले दर्ज हैं। जिसमें जमीन और रंगदारी का भी मामला है। विधायक के भाई पर आरोप है कि 20 अगस्त अहियापुर थाना क्षेत्र में एक विवादित जमीन पर विधायक के भाई करीब 20 गाड़ियों से पहुंचे थे। कुछ गाड़ियों पर पार्टी का झंडा भी लगा था। आरोप है कि जेसीबी से जमीन और आसपास के अन्य निर्माणों को तोड़ना शुरू कर दी थी। बताया जाता है कि इस मामले में ही पुलिस विधायक के आवास पहुंची है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524